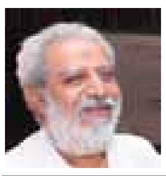

04 - ट्रम्प और मस्क के झगड़े से बनेंगे नए सत्ता समीकरण

05 - पंजाब और हरियाणा के बीच जल बंटवारे का ताजा विवाद

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 16 जून, 2025

06 - यातायात नियमों का उल्लंघन, विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

07 - विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक और चित्रकला के माध्यम से दिया...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 247, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

इजरायल के ईरान पर रणनीतिक हमले के वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निर्माता कम्पनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता क्या नहीं करता? आखिरकार बत्तीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दर घुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बर्बादी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया है, जो महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि हमलों का नया सिलसिला हो सकता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। जवाब में ईरान ने भी जबर्दस्त कार्रवाई की है।

वहीं, इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभाव के रूप में हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए। इजरायल का कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। यह बात दीगर है कि इस्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

अगर जवाबी कार्रवाई के तौर पर ईरान अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21 प्रतिशत ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है। यह देखना होगा। गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इजरायल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिस्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौफनाक शुरुआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिस्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिस्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरस्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरस्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं। वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

मैं प्रश्नों के जंगल में
भटक रहा हूँ

मैं आतताइयों से
घिरा हुआ हूँ

मैं लंपटों की
नगरी में घूम रहा हूँ

मेरी आस्तीन में
साँप ही साँप
छिपे हैं

मेरे ईमान के आगे
तलवारें ही तलवारें
तनी हैं

ऐसे में
कहाँ जाऊं
क्या करूं।

- दुर्गाप्रसाद झाला

ब्लैक 'रविवार'

तीन हादसों में 16 लोगों की मौत

- उत्तराखंड के गौरीकुंड में हेलीकॉप्टर क्रैश, 7 लोगों की मौत
- यूपी के मथुरा में एक साथ ढह गए 6 मकान, 3 की गई जान
- महाराष्ट्र के पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटा, 6 की मौत

गौरीकुंड/रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। देश के तीन राज्यों में रविवार को अलग-अलग तीन हादसे हुए हैं। सबसे पहले उत्तराखंड के गौरीकुंड में हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया जिसमें सात लोगों की मौत हो गई है। उधर यूपी के मथुरा में गोविंद नगर इलाके में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक साथ 6 मकान अचानक से भरभराकर गिर गए। इस दुर्घटना में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3.30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक 6 लोगों की मौत हो गई है और 38 लोग लापता हैं। उत्तराखंड केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5.20 बजे हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई है। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। शुरुआती जानकारी में खराब मौसम को हादसे की वजह बताया जा रहा है। हेलीकॉप्टर आर्यन एविएशन कंपनी का है।

यूपी के मथुरा में हुआ बड़ा हादसा

मथुरा के गोविंद नगर इलाके में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक साथ 6 मकान अचानक से भरभराकर गिर गए। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। 6-7 लोगों के अभी भी दबे होने की खबर है। सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों की पहचान तोताराम (38), दो सगी बहनें यशोदा (6) और काव्या (3) के तौर पर हुई है। सभी 6 मकान जो ढहे हैं, वो मिट्टी के टीले पर बने हुए थे। लोगों ने बताया कि यहां बाड़े (खुली भूमि) में जेसीबी से खुदाई चल रही थी। तभी अचानक मिट्टी धसकी और हादसा हो गया।

नदी पर बना पुल टूटा, 6 की मौत

महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3. 30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक 38 लोग लापता हैं। विधायक सुनील शेलके ने बताया कि अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि सीएम फडणवीस और पुणे जोन 2 एमएलए ने 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। 6 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे। पुणे से कुंडमाला की दूरी 30 किमी है। यह जगह मुंबई के रास्ते में एक्सप्रेसवे में एंट्री करने से पहले स्थित है।

इजरायल-ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकते हैं पीएम नरेन्द्र मोदी

- इजरायली राजदूत रूवेन बोले-यह दिल्ली के लिए अच्छी बात होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजरायल और ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकते हैं। उन्होंने भारत को इजरायल का अच्छा मित्र बताया और कहा कि ईरानियों के साथ भी नई दिल्ली की अच्छी बातचीत होती है। अजार ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि वह एक महान नेता हैं। वह भारत की समृद्धि के लिए बहुत प्रभावी साबित हुए हैं। हम मध्यस्थता की संभावना को खारिज नहीं करते हैं। शुक्रवार को ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू करने के कुछ घंटों बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी सहित शीर्ष नेताओं को फोन कर जानकारी दी थी।

पचमढ़ी में भाजपा सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग का दूसरा दिन

एससी-एसटी प्रभाव वाली विधानसभा सीटों पर चर्चा, अलग-अलग ग्रुप बनाए गए

पचमढ़ी (नप्र)। मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में भाजपा के सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को दूसरा दिन था। सुबह 45 मिनट के योग शिविर के बाद सांसद-विधायकों के साथ सामाजिक और भौगोलिक कार्य विस्तार की रणनीति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। खासकर एससी-एसटी प्रभाव वाली विधानसभा सीटों को लेकर अलग-अलग ग्रुप बनाए गए। इससे पहले सुबह आयोजित योग सत्र के दौरान रामपुर बघेलान विधायक विक्रम सिंह शॉर्ट्स और स्पोर्ट्स ड्रेस में दौड़ते हुए पहुंचे। गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी उन्हें पहचान नहीं सके और रोक लिया गया। विधायक ने खुद को परिचित कराने के बाद ही प्रवेश पाया।

- **अमित शाह ने किया था प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन-** तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एमपी के सांसद-विधायकों से कहा कि एक बार गलती हो जाती है, लेकिन दोबारा न हो। इस वर्ग में मध्यप्रदेश सरकार के सभी मंत्री-विधायक, लोकसभा-राज्यसभा सांसद शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे तीन दिन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहेंगे।
- **मंत्री-विधायक 1 घंटे देरी से भी पहुंचे-** सुबह 9:30 बजे से प्रशिक्षण वर्ग के सत्र की शुरुआत होनी थी लेकिन कई विधायक देरी से पहुंचे। इनमें कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना, देवरी विधायक बृज बिहारी पटेरिया, खंडवा विधायक कंचन तनवे, नेपानगर विधायक मंजू दादू और पंधाना विधायक छाया मोरे कार्यक्रम में करीब एक घंटे की देरी से पहुंचें।
- **पहली, दूसरी बार के विधायकों के अलग-अलग ग्रुप बनाकर होगी चर्चा-** आज के प्रशिक्षण वर्ग में निर्वाचन क्षेत्र के प्रबंधन, नवाचार, चुनौतियां और सदन में भूमिका पर तीन ग्रुप बनाकर चर्चा की जाएगी। ग्रुप-1 में पहली और दूसरी बार के विधायकों को मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष संबोधित करेंगे। सीताशरण शर्मा विधानसभा के नियम, कानूनों की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे। वहीं, मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता इनोवेशन, चुनौतियों का समाधान और अपने विधानसभा क्षेत्र में काम करने के तौर तरीकों को समझाएंगे।

मूल निवासी प्रमाण पत्र के लिए ऑफलाइन या ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन, एक दिन में मिलेगा

नाबालिग होने पर पिता के प्रमाण पत्र में होता है उल्लेख

भोपाल। मध्य प्रदेश में मूल निवासी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के लिए मध्य प्रदेश ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर जाना होगा और आवश्यक जानकारी भरकर और दस्तावेज अपलोड करके आवेदन करना होगा।

ऑफलाइन आवेदन के लिए किसी भी निकटतम लोक सेवा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर या एमपी ऑनलाइन कियोस्क पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। निवासी प्रमाण पत्र, तहसीलदार या कलेक्टर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी जारी करते हैं।

आवेदन के बाद एक दिन में मूल निवासी प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है। यह प्रमाण पत्र आवेदक के आधार से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक दिन में पहुंचता है और आवेदक इसको डाउनलोड कर उपयोग कर सकता है।

इन कार्यों में होता है मूल निवासी प्रमाण पत्र का उपयोग

मूल निवासी प्रमाण पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो यह प्रमाणित करता है कि व्यक्ति किसी विशेष राज्य या स्थान का स्थायी निवासी है। मप्र में निवास प्रमाण पत्र का उपयोग कई सरकारी योजनाओं, शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश, सरकारी नौकरियों में आवेदन और अन्य कानूनी कार्यों में किया जाता है।

सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के लाभ के लिए भी मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य है। निवासी प्रमाण पत्र बनाने के लिए स्वयं का घोषणा पत्र लगता है और जिसके नाम से आवेदन किया जा रहा है उसके दस्तावेज देने होते हैं।

दस्तावेज में मार्कशीट, आधार कार्ड, समग्र आईडी, एक फोटो और पते का प्रमाण देना होता है। मूल निवासी प्रमाण पत्र के लिए कम से कम दस साल तक स्थानीय पते पर रहने की घोषणा पत्र में जानकारी देना होती है।

बालिग होने पर बनता है प्रमाण पत्र

मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 18 साल की उम्र पूरी करना आवश्यक है। नाबालिग होने पर पिता के प्रमाण पत्र में बच्चे का उल्लेख होता है। पत्नी के नाम का उल्लेख भी पति के प्रमाण पत्र में होता है। यदि पत्नी को भी स्वयं का मूल निवासी बनवाना है, तो इसके लिए घोषणा पत्र के साथ सभी जरूरी दस्तावेज जैसे आधार, समग्र, मार्कशीट, फोटो, पते का प्रमाण देना होता है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 41 °c

न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 16 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मणिपुर में 328 हथियार और गोला-बारूद बरामद

● एसएलआर-इंसास जैसी राइफलें शामिल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा में अब भले ही कमी आ गई हो लेकिन उग्रवादी संगठन बड़ी साजिश में लगे हुए हैं। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से अधिक राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं।

एक अधिकारी ने शनिवार को यह

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए। जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य राइफल शामिल हैं।

बिहार में 20 साल पुरानी गाड़ी अब बदलने की है बारी

नीतिश के शासन में बिहार सभी क्षेत्रों में सबसे फिसड्डी साबित

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। आरजेडी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के 20 साल के शासन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में लोगों ने सरकार बदलने का मन बना लिया है। तेजस्वी यादव

पटना के एसकेएम हॉल में 'पाल समाज' के महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। तेजस्वी यादव ने कहा- 'हमें दुख होता है जब बिहार नीति आयोग के सभी सूचकांकों में सबसे फिसड्डी निकलता है। बिहार विकास संकेतकों में सबसे नीचे है। बिहार देश में सबसे गरीब राज्य है, सबसे अधिक पलायन बिहार से है, बेरोजगारी सबसे ज्यादा बिहार में है। 20 साल से नीतिश कुमार जी मुख्यमंत्री है, 11 साल से नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री हैं लेकिन बिहार को क्या मिला।

हरियाणा में कचरे से कोयला बनाने की तैयारी

फरीदाबाद और गुरुग्राम जिले में लगेंगे यह प्लांट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में संचालित कचरे से कोयला बनाने की परियोजना पर हरियाणा सरकार काम करने की तैयारी में है। दो सफल ट्रायल के बाद प्रधानमंत्री ने 600 टन कचरे से 200 टन कोयला तैयार करने के राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के इस प्रोजेक्ट को करीब एक साल पहले आरंभ किया था। हरियाणा के शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने विभाग के अधिकारियों के साथ इस परियोजना का दौरा किया और पूरी प्रक्रिया को समझा।

300 फीट ऊंचाई से फेंकने के बाद भी राजा के शव में फ्रैक्चर नहीं

भ्रमित तो नहीं कर रहे सोनम-राज, राजा हत्याकांड में सस्पेंस बरकरार

शिलांग (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में भले ही पुलिस ने पत्नी सोनम सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन इस मामले में नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। आरोपियों के अनुसार उन्होंने शिलांग से 60 किलोमीटर दूर सोहरा कुनोनग्रिम क्षेत्र में राजा की हत्या के बाद उसे 300 फीट नीचे खाई में फेंका था, इसके बाद भी राजा की हड्डियों में फ्रैक्चर नहीं मिला। शिलांग के नार्थवेस्ट इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीटयूट आफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेस में राजा के शव का पोस्टमार्ट्म हुआ था वहां की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इसके बाद पुलिस ने जांच में यह बिंदु भी शामिल कर लिया है।

जहां राजा का शव मिला, वहां दो साल पहले मिला था महिला का हाथ

स्थानीय लोगों के अनुसार जहां राजा रघुवंशी का शव मिला, वहां वर्ष 2023 में शिलांग के चर्चित वंदना कलिता केस में मृत महिला का एक हाथ भी मिला था। इस मामले में भी एक महिला ने अपने पति और सास की अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या की और शव के टुकड़े-टुकड़े कर अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिए थे। कुछ अंग कुनोनग्रिम के अलावा बांग्लादेश बॉर्डर पर मेघालय के डाउकी में भी बरामद हुए थे। पुलिस इस बारे में भी पूछताछ कर रही है कि क्या आरोपियों ने इस मामले से जुड़ी जानकारी छिपाई है।

इजराइल ने ईरानियों से कहा-

मिलिट्री लोकेशन जल्द खाली करो

● रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया, ईरान ने इजराइल की हाईफा रिफाइनरी पर मिसाइल दागी

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान और इजराइल ने शनिवार देर रात एक बार फिर एक दूसरे पर कई मिसाइलें दागी। दोनों देशों के बीच बीते 3 दिनों से संघर्ष जारी है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने ईरानी में मिलिट्री हथियार फैक्ट्रियों और उनके आसपास रहने वाले नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी दी है। आईडीएफ के कर्नल अविचय अद्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा है कि हथियार फैक्ट्रियों के पास रहना ईरानियों के लिए खतरनाक हो सकता है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया है। इसके अलावा तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को तबाह किया है। पिछले तीन दिनों के दौरान इजराइली हमले से ईरान में 138 लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं।

पीएम मोदी 3 देशों के दौरे पर रवाना, पहले साइप्रस पहुंचे

● इंदिरा, अटल के बाद साइप्रस जाने वाले तीसरे भारतीय पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 3 देशों की 4 दिन की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। उन्होंने साइप्रस से इस दौरे की शुरुआत की, फिर कनाडा और क्रोएशिया जाएंगे। इस दौरान वे 27 हजार 745 किमी का सफर तय करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पीएम 15-16 जून को साइप्रस में रहेंगे। 16 और 17 जून को कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद वे 18 जून को क्रोएशिया जाएंगे। 19 जून को भारत लौट आएंगे। मोदी साइप्रस जाने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले 1983 में इंदिरा गांधी और 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी ने इस देश का दौरा किया था। भारत और साइप्रस के कूटनीतिक रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं, लेकिन इतने उच्चस्तरीय दौरे बहुत कम हुए हैं।

बारिश से अरुणाचल बेहाल

कट गया एनएच 113

आठ दिनों से अलग-थलग है चीन से सटा यह जिला

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में जोरदार बारिश का कहर देखने को मिला है। इसके चलते अरुणाचल प्रदेश का अंजाव जिला देश के अन्य हिस्सों से पिछले आठ दिनों से पूरी तरह से कटा हुआ है। भारत-चीन और भारत-म्यांमार सीमा को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे-113 पर भी कई जगह कटाव और गड्ढे हो गए हैं।

इसकी वजह से यह रास्ता भी इस्तेमाल के लायक नहीं है। इस हाइवे के अरोवा-खुपा-हायुलियांग के मोनपानी सेक्शन पर भी हालात ठीक नहीं है। इस वजह से स्थानीय लोगों तो परेशानी हो ही रही है। साथ ही रणनीतिक रूप से अहम चीनी सीमा से सटे इलाकों तक पहुंचना भी मुश्किल हो रहा है। रास्ता बंद होने के चलते दूर स्थित किबिथू और चगलगाम तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।

चीन और म्यांमार की सीमा से जुड़े होने के चलते यह दोनों इलाके रणनीतिक रूप से बेहद अहम हैं। वहीं, कई इलाकों में स्थानीय समुदाय के लोग अलग-थलग पड़ गए हैं। खासतौर पर हायुलियांग, हवाई और आसपास के गांवों में चीजों की भारी किल्लत हो रही है। वाहनों का यातायात ठप होने के चलते तमाम स्थानीय लोग कई किलोमीटर पैदल चलकर जरूरी चीजें लाने के लिए विवश हैं। स्थानीय अधिकारियों ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें स्थानीय निवासियों से रात में यात्रा करने से बचने और सावधानी बरतने के लिए कहा गया है।

वायुसेना को जून के आखिर में मिलेगा तेजस एमके 1ए

इस साल 12 जेट फाइटर बेड़े में शामिल होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही सप्ताह बाद वायुसेना के बेड़े में नया विमान आने जा रहा है। वायुसेना को इस महीने के आखिर में स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस की अगली पीढ़ी का एयरक्राफ्ट तेजस एमके 1ए मिल जाएगा। फ्लाइंग टेस्ट की आखिरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह फाइटर बेड़े में शामिल हो जाएगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ फरवरी, 2021 में 83 तेजस एमके 1ए विमानों का सौदा 48 हजार करोड़ रुपए में हुआ था। इनकी डिलीवरी मार्च, 2024 में होनी थी लेकिन अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक से मिलने वाले इंजन की सप्लाई में देरी की वजह से सुपुर्दगी करीब सवा साल टल गई। सूत्रों के अनुसार, इस मार्च से नए इंजन मिलने शुरू हो गए हैं। इस साल के आखिर तक वायु सेना को 12 तेजस एमके 1ए विमान सौंप दिए जाएंगे। एमआईजी-21, एमआईजी-27 और जगुआर का जगह लेगा तेजस मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत के मजबूत इरादों के साथ सरकार ने हाल के साथ कुल 180 तेजस एमके 1ए का सौदा किया है। पहली खेप 83 विमानों की है।

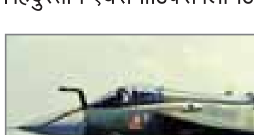

योगी सरकार में अब गुंडों का फरमान नहीं चलता

शाह बोले-एफआईआर पर 3 साल में फैसला होगा, ऐसी व्यवस्था करेंगे

लखनऊ में सिपाहियों को बांटे जॉइनिंग लेटर, सीएम योगी भी रहे साथ

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में 60,244 चयनित सिपाहियों को जॉइनिंग लेटर दिए गए। इनमें से 15 को गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी ने लेटर बांटे। बाकियों को समारोह स्थल पर दिए गए। यूपी में पहली बार ऐसा हुआ, जब इतने बड़े पैमाने पर जॉइनिंग लेटर बांटे गए। चयनित सिपाहियों को 1,300 बसों से लखनऊ लाया गया। गृहमंत्री अमित शाह ने लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान में कहा- योगी सरकार में अब गुंडों का फरमान नहीं चलता। इस काम को आप सभी 60 हजार युवाओं को और आगे बढ़ाना है। अगले पांच सालों में ऐसी व्यवस्था हो जाएगी कि किसी भी एफआईआर के बाद सुप्रीम कोर्ट तक जल्द फैसला हो जाएगा।

योगी बोले-

ट्रेनिंग में जितना पसीना बहेगा, खून उतना कम बहेगा- सीएम योगी ने कहा- याद रखना ट्रेनिंग में जितना पसीना बहेगा, खून उतना कम बहेगा। गरीब से गरीब परिवार का बेटा सिपाही बना है। 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने यूपी के युवाओं को साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं। सीएम योगी ने कहा- यूपी पुलिस में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब मोदी जी देश सेवा में लगे हैं।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च की तैयारी

● ऐलान के बाद घर पर नजरबंद किए गए मौलाना तौकीर रजा खान

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में मौलाना तौकीर रजा खान के प्रदर्शन के ऐलान के बाद माहौल गरमाया हुआ है। मौलाना तौकीर रजा ने रविवार को दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च और गिरफ्तारी देने का ऐलान किया था। इस प्रदर्शन के दौरान प्रशासन को माहौल बिगड़ने की आशंका थी। इसको देखते हुए मौलाना तौकीर रजा के घर पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। उन्हें घर पर ही नजरबंद कर दिया गया। विरोध प्रदर्शन के ऐलान के बाद प्रशासन का सख्त रुख सामने आया है। मौलाना तौकीर रविवार को गिरफ्तारी देने वाले थे। बरेली में उन्होंने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की तैयारी की थी। इसको देखते हुए पुलिस ने पहले मौलाना के आवास पर सुरक्षा घेरा बनाया। पुलिस-प्रशासन के सीनियर अधिकारी मौके पर डटे रहे।

दीवारें जल गईं, दरवाजे-खिड़की तक राख हो गए

अहमदाबाद प्लेन हादसे ने छोड़े तबाही के कई निशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में प्लेन क्रैश के बाद बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर की बिल्डिंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इमारतों की कई तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें दिख रहा है कि दीवार और इंटीरियर पूरी तरह से जलकर राख हो गए हैं। इस हादसे में परिसर की चार बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। संस्थान की डीन मीनाक्षी पारिख ने एजेंसी से कहा कि हादसे में क्षतिग्रस्त चारों बिल्डिंग को खाली कराया जा रहा है, जिससे एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो को जांच में मदद मिलेगी। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बिल्डिंग के दरवाजे और खिड़कियों तक के फ्रेम मुड़ गए हैं। बिस्तरों पर रखे गद्दे जलकर राख हो गए हैं और हाथ का तौलिया शीशे के पास लटा हुआ है। ये मार्मिक दृश्य किसी की आंखों को नम करने के लिए काफी है।

विजय रूपाणी के शव की हुई पहचान, आज अंतिम संस्कार

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। 12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। आज सुबह तक 248 शवों के डीएनए सैंपल लिए गए। इनमें से 31 की शिनाख्त हो गई है, 20 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं।

नीट यूजी के 75 स्टूडेंट्स के रिजल्ट पर होल्ड

टॉर्च और मोमबत्ती की रोशनी में दी थी परीक्षा, 23 जून तक इंतजार करना होगा

इंदौर (एजेंसी)। शनिवार को एनटीए ने नीट यूजी का रिजल्ट घोषित कर दिया। जहां एक ओर टॉपर्स और अच्छे अंक लाने वाले स्टूडेंट्स और उनके परिवारों में खुशी है, वहीं दूसरी ओर परीक्षा में शामिल ऐसे 75 स्टूडेंट्स भी हैं, जिनका रिजल्ट एनटीए ने फिलहाल रोक दिया है। दरअसल, इंदौर और उज्जैन के इन छात्रों ने जिन परीक्षा केंद्रों से एग्जाम दिया था, वहां 4 मई को तेज आंधी और बारिश के चलते बिजली गुल हो गई थी। वैकल्पिक व्यवस्था न होने से परीक्षा प्रभावित हुई। इन स्टूडेंट्स ने हाई कोर्ट की शरण ली है। इसके अलावा, 20 अन्य स्टूडेंट्स ऐसे हैं जिन्होंने सुनवाई के बीच में याचिकाएं दायर की थीं। इस तरह कुल 95 स्टूडेंट्स कोर्ट के फैसले पर निर्भर हैं कि उन्हें दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा या फिर कोई अन्य निर्देश जारी होंगे। इन मामलों में 23 जून को हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है। याचिकाकर्ता स्टूडेंट्स के अधिवक्ता मृदुल भटनागर ने बताया कि प्रभावित छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अभी तक 85 छात्र याचिका दायर कर चुके हैं, जिनमें उज्जैन के 6 छात्र भी शामिल हैं। कुल मिलाकर 2000 से अधिक छात्रों की परीक्षा प्रभावित हुई थी, लेकिन याचिका उन्हीं 85 ने लगाई है। इनमें से 75 मामलों में हाई कोर्ट ने पहले ही स्टे दिया हुआ है।

नई याचिकाओं पर स्टे नहीं: एडवोकेट भटनागर के अनुसार, हाई कोर्ट ने पहले 75 छात्रों के मामलों में स्टे दिया था। लेकिन 9 मई के बाद जो 20 नई याचिकाएं दाखिल की गईं, उन पर कोर्ट ने स्टे देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने तर्क दिया कि रिजल्ट जल्द ही घोषित होने वाला है, इसलिए अब नए याचिकाकर्ताओं को स्टे नहीं दिया जा सकता।

अन्य राज्यों से भी याचिकाएं: भटनागर ने बताया कि उनकी ओर से 86 छात्रों ने याचिकाएं दायर की हैं, जबकि अन्य वकीलों के माध्यम से 9 और याचिकाएं दायर की गई हैं। इस प्रकार कुल 95 याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें से 75 पर स्टे है। उधर राजस्थान, गुजरात और कोलकाता के कुछ छात्रों ने भी वहां के संबंधित हाई कोर्ट में याचिकाएं लगाई हैं, जिन पर सुनवाई होनी बाकी है। वहीं कई प्रभावित छात्र ऐसे भी हैं, जो आर्थिक तंगी या अन्य कारणों से याचिका नहीं दायर कर सके और अब वे बेहद निराश हैं।

रिजल्ट के बाद निराशा, अब कोर्ट में उम्मीद: रीवा के देवेश त्रिपाठी का यह नीट में तीसरा प्रयास था। उन्होंने दो बार ड्रॉप लेकर इंदौर में कोचिंग की थी। इस बार उनका परीक्षा केंद्र 'इल्वा हायर सेकेंडरी स्कूल' था। परीक्षा के दौरान अंत में बिजली चली गई। उन्होंने अपनी मेहनत के आधार पर 465 के टॉप रैंकर्स में आने की उम्मीद की थी, इसलिए शुरुआत में कोर्ट नहीं गए। लेकिन शनिवार को जब रिजल्ट आया तो पता चला कि वे करीब 30 अंक से पिछड़ गए। अब वे 60,000 रैंक वालों की बजाय 77,000 की कैटेगरी में हैं, जिससे अच्छे कॉलेज में दाखिला मुश्किल हो जाएगा। उनके परिजन अब सोमवार को हाई कोर्ट का रुख करेंगे। अनन्या अग्रवाल, यश केसरवानी, अलीना जैसे कई स्टूडेंट्स ने पहले ही याचिकाएं लगाई थीं और अपनी परेशानी कोर्ट के समक्ष रखी है। इन सभी को उम्मीद है कि उन्हें रि-एग्जाम का मौका मिलेगा, जिससे उनके करियर की दिशा तय हो सकेगी। सभी की नजरें अब 23 जून की सुनवाई पर टिकी हैं।

एग्जाम के बीच गुल हुई थी बिजली: 4 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा के लिए इंदौर में 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां करीब 27 हजार छात्रों ने परीक्षा दी। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और 120 किमी/घंटा की रफ्तार से आई आंधी और तेज बारिश ने शहर की बिजली व्यवस्था ठप कर दी। इससे करीब 11 परीक्षा केंद्रों में बिजली चली गई और अंधेरा छा गया। लगभग 600 छात्रों की परीक्षा सीधा प्रभावित हुई। यह पहला मौका था जब एनटीए ने शहर के सरकारी स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए थे, लेकिन यहां पावर बैकअप की कोई व्यवस्था नहीं थी।

टॉर्च और मोमबत्ती की रोशनी में परीक्षा दी

बिजली कटने के कारण कई छात्रों को मोबाइल की टॉर्च और मोमबत्ती की रोशनी में परीक्षा देनी पड़ी। घना अंधेरा होने के कारण कई छात्र प्रश्नपत्र ठीक से पढ़ भी नहीं पाए। परीक्षा खत्म होने के बाद कई छात्र रोते हुए केंद्र से बाहर निकले। इनका कहना था कि उन्होंने पूरे साल मेहनत की थी, लेकिन खराब व्यवस्था ने उनके भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए।

भस्म आरती दर्शन

भगवान महाकाल के मस्तक पर भांग, ड्राई फ्रूट का सूर्य तिलक अर्पित कर श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पट रविवार तड़के (4 बजे) भस्म आरती के दौरान खोले गए। पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। दूध, दही,

घी, शकर, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर भांग, चन्दन और त्रिपुण्ड अर्पित कर श्रृंगार किया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म अर्पित कर भगवान महाकाल का भांग, ड्राई फ्रूट, चन्दन, आभूषण और फूलों से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भस्म अर्पित करने के बाद शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला अर्पित की। भगवान महाकाल ने मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण किए। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म आरती में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे थे। इस दौरान भगवान शिव के जयकारों से महाकाल मंदिर गूंज उठा।

जिला कोर्ट के खाते से 64 लाख की ऑनलाइन ठगी

• यूपीआई ट्रांजैक्शन से उड़ाई रकम, गुजरात के पिता-पुत्र पर केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर जिला कोर्ट परिसर में स्थित एसबीआई ब्रांच से लाखों रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने कोर्ट से जुड़े खातों से यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए लाखों रुपए निकाल लिए। बैंक के अधिकारियों को जब रकम कम होने का मैसेज मिला तो जांच में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। बैंक मैनेजर पुनीत तिवारी ने बताया कि जिला कोर्ट के कई खाते एसबीआई की इसी शाखा में संचालित होते हैं। हाल ही में एक एडीजे कोर्ट के खाते से कोर्ट वाउचर के माध्यम से 6 लाख 50 हजार रुपए का भुगतान होना था, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने का मैसेज मिला। जब खाता जांचा गया तो पता चला कि मार्च 2025 से 11 जून 2025 के बीच कोर्ट के खाते से करीब 64 लाख रुपए यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए निकाले जा चुके हैं। यह पूरी राशि गुजरात के वलसाड में एक बैंक खाते में ट्रांसफर की गई है। क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि जिन नंबरों से ये ट्रांजैक्शन हुए, वे साहिल उर्फ साजिद रंगरेज और उसके पिता साजिद अब्दुल सत्तार के मोबाइल से जुड़े हैं। हालांकि, बैंक खाता किसी और के नाम पर है लेकिन वह मोबाइल नंबर इन्हीं पिता-पुत्र से जुड़ा हुआ है। बैंक की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ठगी का पूरा नेटवर्क पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की एक टीम वलसाड (गुजरात) रवाना हो चुकी है।

इंदौर में दो लोगों ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

• मानसिक रूप से कमजोर था आरिफ, पुलिस ने मर्ग कायम किया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के खजराना में रहने वाले 35 वर्षीय आरिफ पुत्र हबीब खान ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। वह मानसिक रूप से कमजोर था। उसके छोटे भाई ने देर रात उसे फंदे से उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आरिफ ताज नगर में

रहता था। उसने फांसी लगा ली। रात करीब 11 बजे छोटे भाई ने उसे फंदे पर लटके देखा। इसके बाद मां और परिवार के अन्य लोगों को बताया। रिश्तेदारों ने बताया कि आरिफ मानसिक रूप से कमजोर था। वह ठीक से काम नहीं कर पाता था। संभवतः इसी के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि अभी मौके से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में जांच की जा रही है। बता दें कि आरिफ की शादी नहीं हुई थी। संयोगितागंज के श्यामाचरण शुक्ल नगर में रहने वाले 35 वर्षीय अमित पुत्र हुकुमचंद सोगोरे ने शनिवार को अपने घर में फांसी लगा ली। अमित की पत्नी मेड का काम करती है।

महिला की लापरवाही से कार में लगी आग

गवाह महिला के लौटने पर खुला राज, सीसीटीवी में कैद हुई आगजनी

इंदौर (एजेंसी)। कनाड़िया क्षेत्र के संचार नगर में 1 जून की सुबह मेडिकल संचालक गौरव जैन की कार में अचानक लगी आग का राज खुल गया है। मामले में पुलिस ने प्रशांत सागर बिल्डिंग के डी ब्लॉक के फ्लैट नंबर 204 में रहने वाली रजनी पाहवा के खिलाफ आगजनी का केस दर्ज किया है। महिला ने खुले में कचरा फेंककर आग लगाई थी, जिससे कार में आग लगी और वह पूरी तरह से जल गई। जानकारी के अनुसार, कालूखेड़ा निवासी गौरव जैन अपनी पत्नी और नवजात बच्चों के इलाज के लिए इंदौर आए थे। उन्होंने अपनी कार संचार नगर स्थित अपने भाई विशाल जैन के फ्लैट की पार्किंग में खड़ी की थी, लेकिन अगली सुबह कार में अचानक आग लग गई। दमकल ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस इसे सामान्य घटना मानकर चल रही थी, तभी प्रत्यक्षदर्शी महिला सामने आ गई।

चश्मदीद के कथन से बदली जांच की दिशा: उसी बिल्डिंग में रहने वाली एक अन्य महिला के कथन ने पुलिस की जांच की दिशा ही बदल दी। यह महिला ईद के मौके पर शहर से बाहर गई थी, जब वह लौटकर आई, तो पता चला कि विशाल जैन के भाई की कार जल गई। उसने परिवार को बताया कि उस दिन सुबह उसने रजनी पाहवा को कार के पास कचरा फेंककर जलाते हुए देखा था। पीड़ित ने यह बात पुलिस को बताई और पुलिस ने बिल्डिंग के सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू किया। लोगों से पूछताछ भी की। 14 दिन की जांच के बाद पूरी कहानी सामने आ गई।

सीसीटीवी फुटेज में कचरा ले जाते दिखी महिला: सीसीटीवी फुटेज में आरोपी महिला थैलियों में भरकर कचरा ले जाते हुए दिखाई दी है। उसने कार के पास खुले में कचरा फेंका, आग लगाई और अपने घर चली गई। ऐसा करते हुए प्रत्यक्षदर्शी महिला ने भी उसे देखा था।

बेटे की मौत हो गई और कार भी जल गई

गौरव ने बताया कि वे पत्नी के समय से पहले डिलीवरी होने के कारण इंदौर आए थे। प्री-मेच्योर बेटी और बेटे का जन्म हुआ था। दोनों की तबीयत खराब थी, इसमें से बेटे की इलाज के दौरान मौत हो गई, तो बेटी का आईसीयू में इलाज चल रहा है। जिस पर रोज हजारों रुपए खर्च हो रहे हैं। इस बीच कार के जलने से उन्हें आर्थिक रूप से बड़ा झटका लगा है। उन्होंने बताया कि कार का बीमा भी पूरी तरह नहीं था और प्रशासन से उन्हें अब तक कोई मदद नहीं मिली। गौरव का कहना है कि उन्होंने इस मामले में पुलिस अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई थी। अब जब सच्चाई सामने आ गई है, तो उन्हें उम्मीद है कि दोषी पर सख्त कार्रवाई होगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि

इंदौर में रीगल चौराहे पर प्रार्थना सभा का आयोजन, कांग्रेस नेता भी पहुंचे

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में रीगल चौराहे स्थित गांधी प्रतिमा पर अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस बीच दो मिनट का मौन भी रखा गया।

कांग्रेस नेताओं ने भी दी श्रद्धांजलि: इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव सहित कई कांग्रेस नेता रीगल चौराहे पर इक्ट्ठा हुए। महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने, अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षणभर में ही सैकड़ों हंसती-खेलती जिंदगियां मृत देह में बदल गईं। परमपिता परमेश्वर से हम सभी प्रार्थना करते हैं कि इस प्रकार की भयावह और त्रासदीपूर्ण मृत्यु किसी को न मिले। परमेश्वर सभी की रक्षा करें और मृत आत्माओं को शांति प्रदान करें। इस श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अनिल यादव, शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष अरविंद बागड़ी, नितीश भारद्वाज, जोहर मानपुरवाला, विनोद वर्मा, सत्यनारायण सलवाड़िया, बद्री शर्मा सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

एपीके फाइल भेजकर 1.43 लाख की ठगी

गैस कनेक्शन बंद करने का डर दिखाया, एनी डेस्क से मोबाइल एक्सेस लेकर उड़ाए रुपए

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तिलक नगर इलाके में रहने वाले एक कोरियर कंपनी संचालक से साइबर ठगों ने करीब 1 लाख 43 हजार रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने खुद को गैस एजेंसी का एजेंट बताते हुए पहले मोबाइल पर कॉल किया और फिर वॉट्सऐप पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल का एक्सेस लेकर अकाउंट से रकम निकाल ली। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गैस कनेक्शन बंद करने की धमकी देकर भेजा लिंक: शिकायतकर्ता बंडू सुनार, निवासी श्री मंगल नगर, तुकोगंज क्षेत्र में ऑनलाइन कोरियर सर्विस का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2024 में उनके पास एक अनजान मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को अवंतिका गैस एजेंसी का एजेंट बताया और कहा कि आपका

कनेक्शन बिल बकाया होने के कारण बंद किया जा सकता है। इसके बाद उसने एक एपीके फाइल वॉट्सऐप पर भेजी। फाइल डाउनलोड करने पर एक लिंक मिला और उस पर पेमेंट प्रोसेस करने के लिए कहा गया। पहले 5 हजार रुपए ट्रांसफर करने को कहा गया, लेकिन पेमेंट नहीं दिखने की बात कहकर फिर से पैसे मांगे गए। जब बंडू ने और पैसे भेजने से मना किया, तो ठग ने एनी डेस्क ऐप के जरिए उनका मोबाइल रिमोट से ऑपरेट करना शुरू कर दिया।

एक-एक कर उड़ाई पूरी रकम

इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1 लाख 43 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए गए। जब बंडू को धोखाधड़ी का शक हुआ, तो उन्होंने तुरंत क्राइम ब्रांच की साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद शनिवार को तिलक नगर पुलिस ने दो मोबाइल नंबरों के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पीएम आवास योजना में फ्लैट दिलाने के नाम पर 82 लाख की ठगी: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फ्लैट दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले फरार आरोपी जतीन भाई मानिया को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि आरोपी दीपक तुरकर, शैलेश, नीरज पटेल, ए.के. पटेल, संदीप पटेल जैसे कई नामों से ठगी करता था। वह मूल रूप से भावनगर, गुजरात का रहने वाला है और अब तक 82 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर चुका है। आरोपी ने इंदौर के सतपुड़ा परिसर (सुपर कॉरिडोर) और अरावली परिसर (भूरी टेकरी) में फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों से एडवांस लेकर रकम हड़पी। वह पहले अहमदाबाद में आरटीओ अधिकारी बनकर 10 लाख और मुंबई में नगर निगम में नौकरी दिलाने के नाम पर 20 लाख की ठगी कर चुका है। उसके खिलाफ बलात्कार और आर्म्स एक्ट के केस भी दर्ज हैं।

24 दिन से लगातार कोरोना मरीजों में इजाफा

अप्रैल में दो मिले; अब हर रोज मिल रहे चार, होम आइसोलेट मरीजों की हालत अच्छी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में कोरोना मरीजों की संख्या में पिछले 24 दिन में तेजी से इजाफा हुआ है। स्थिति यह है कि अब हर रोज औसतन 4 मरीज मिल रहे हैं। कोरोना के 8 नए मरीज मिले हैं। ये सभी इंदौर के हैं। इनके सहित अब तक 112 कोरोना मरीज पाए गए जिनमें से 100 मरीज इंदौर के हैं और 12 बाहर के हैं। राहत वाली बात यह है कि सभी में हल्के लक्षण हैं। अभी 61 मरीज होम आइसोलेशन में हैं और उनकी हालत ठीक है। तीन मरीज अन्य बीमारियों के कारण अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में एडमिट हैं। 23 मई से शुरू हुआ यह सिलसिला अभी भी जारी है। लगभग हर दिन कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए जा रहे हैं।

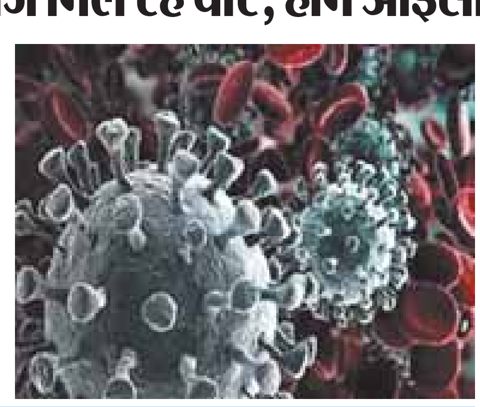

सबसे पहले 22 अप्रैल को मिले थे दो मरीज

इस साल सबसे पहले 22 अप्रैल को कोरोना के दो मरीज मिले थे, जिन्हें अरबिंदो अस्पताल में एडमिट किया था। इसमें से 72 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें किडनी सहित अन्य बीमारियां थीं। फिर करीब एक माह तक कोरोना पॉजिटिव मरीज नहीं पाए गए। इसके बाद 23 मई को दो कोरोना पॉजिटिव मिले थे जिनमें से एक की केरल की ट्रेवल हिस्ट्री मिली थी।

कई मरीजों की ट्रेवल हिस्ट्री

अब स्थिति यह है कि 24 दिन से हर रोज औसतन चार कोरोना पॉजिटिव मिल रहे हैं। अभी तक जो मरीज मिले हैं उनकी यूके, सिंगापुर, मथुरा, उड़ीसा, बद्रीनाथ, केरल, गोवा, दिल्ली, मुंबई, पुणे, कोलकाता, सूरत, अहमदाबाद, रायपुर, रतलाम, उज्जैन, देवास आदि शहरों ट्रेवल हिस्ट्री मिली है। इंदौर में सरकारी स्तर पर एमवायएच और टीबी हॉस्पिटल में आरटीपीसीआर की जांच की जा रही है।

डॉक्टरों की सलाह: सतर्क रहें, घबराएं नहीं

डॉ. वीपी पांडे (प्रो. मेडिसिन, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर) के मुताबिक कोविड वेरिएंट हर साल बदल रहे हैं, लेकिन अब तक जो वैरिएंट सामने आए हैं, वे पहले के मुकाबले अधिक घातक नहीं हैं। अधिकांश मामले हल्के होते हैं और घर पर ठीक हो जाते हैं। हालांकि डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर पेशेंट्स को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए और समय पर इलाज कराना चाहिए।

राजा के भाई की इंदौर की जनता से अपील

कहा- जिन्हें लगता है राजा के साथ गलत हुआ, वो कैंडल मार्च में शामिल हों

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड के मामले में रविवार शाम को कैंडल मार्च निकाला जाएगा। यह कैंडल मार्च नेहरू पार्क से शुरू होकर रीगल चौराहे तक जाएगा। इस मार्च में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी ने युवाओं से अपील की है कि वेस्ट कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में शामिल हो। सचिन रघुवंशी ने कहा कि राजा युवा लड़का था। उसकी आत्मा की शांति के लिए शाम को 6.30 बजे नेहरू पार्क से रीगल चौराहे तक एक कैंडल मार्च निकाला जाएगा। जिन लड़कों को लगता है कि राजा के साथ गलत हुआ है। किसी और के साथ गलत ना हो। क्योंकि आज कल लड़कों के साथ गलत हो रहा है। मैं चाहता हूं कि वे सब राजा को श्रद्धांजलि देने आए। कैंडल मार्च की जानकारी राजा की कर्जिन बहन ने सोशल मीडिया पर भी दी है। शनिवार शाम को भी रीगल चौराहे पर कैंडल मार्च निकाला गया था। इस दौरान भी राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी इसमें शामिल हुए थे। उनके साथ भी बड़ी संख्या में महिला

और पुरुष राजा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। सचिन रघुवंशी ने आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग की थी।

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मिली थी सोनम: बता दें कि 11 मई को शादी के बाद 21 मई को राजा-सोनम शिलॉन्ग पहुंचे थे। 23 मई को परिवार से आखिरी बार बात हुई थी। 2 जून को राजा का शव मिला था। 17 दिन से गायब सोनम 9 जून को गाजीपुर में मिली थी। इसके बाद ही हत्याकांड का खुलासा हुआ था।

संपादकीय

क्या ये विश्व युद्ध की आहट?

ईरान और इजराइल के बीच भड़का भीषण युद्ध क्या तीसरे विश्व युद्ध की आहट है? क्या तीसरा विश्व युद्ध वास्तव में परमाणु युद्ध होगा और ऐसा हुआ तो इसमें कौन कौन बच पाएगा? ये ऐसे गंभीर सवाल हैं, जिन्हें तीन दिन से ईरान और इजराइल के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच संजीदगी से पूछा जा रहा है। इजराइल शुरू से ईरान के परमाणु बम कार्यक्रम को लेकर चिंतित रहा है। क्योंकि उसे आशंका है कि ईरान और इस्लामिक ताकतें इसका इस्तेमाल कभी भी इजराइल के खिलाफ कर सकती हैं। इसलिए जैसे ही इजराइल को इस बात की भनक लगी कि ईरान अब परमाणु बम बनाने की कगार पर है, उसने ईरान पर भीषण हवाई हमले शुरू कर दिए। इजराइल ने न सिर्फ मिसाइल और ड्रोन दागे बल्कि उसकी खतरनाक खुफिया एजेंसी मोसाद के एजेंटों ने ईरान के भीतर घुसकर उसके 20 टॉप सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों को रात में ही मौत की नींद सुला दिया। यह ऑपरेशन लंबे समय से चल रहा था, लेकिन ईरान को इसकी भनक तक नहीं लगी। अब यह साफ हो चुका है कि ईरान के साथ परमाणु क्षमता को लेकर अमेरिका से जारी बातचीत केवल दिखावा थी। वास्तव में वो ईरान पर हमले की तैयारी के लिए लिया गया समय था। उधर ईरान ने अमेरिका के आगे झुकने से इंकार कर दिया तो अमेरिका के इशारे पर ही इजराइल ने ईरान पर हल्लाबोल दिया। इसके बाद ईरान ने अमेरिका से बातचीत की किसी भी संभावना को खारिज कर इजराइल को पूरी तरह तबाह करने का ऐलान कर दिया है। अपने मिसाइल व ड्रोन हमलों में ईरान ने इजराइल के शहरी इलाकों में काफी नुकसान पहुंचाया है। लेकिन तुलनात्मक रूप से इजराइल के हमले ज्यादा सटीक निशाने पर लगे हैं, जिनमें ईरान के परमाणु शोध केन्द्र व सैनिक ठिकाने शामिल हैं। बेशक ईरान अभी पूरी ताकत से जवाब दे रहा है। लेकिन वो ऐसा कब तक कर पाएगा, यह देखने की बात है। हालांकि चीन ने तो अब उसे खुलकर सैन्य सहायता पहुंचाना शुरू कर के संकेत दे दिया है कि अब मध्य पूर्व की राजनीति में ज्यादा दखल देगा। यह चुनौती अमेरिका के लिए भी है। इस जंग में ईरान का समर्थन चीन के अलावा रूस व उत्तर कोरिया भी कर रहे हैं। लेकिन ज्यादातर मुस्लिम देश अमेरिका के साथ हैं। पाकिस्तान ने भी इजराइल की जवाबी आलोचना की है, लेकिन अमेरिका का दबाव बढ़ा तो वो अपने हवाई अड्डे ईरान के खिलाफ इस्तेमाल की इजाजत अमेरिका को देगा। इन हमलों में इजराइल ने सटीक सूचनाओं के आधार पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खासा नुकसान पहुंचाया है, लेकिन उसे पूरी तरह खत्म नहीं कर पाया है। लिहाजा इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि ईरान पर और भी भयानक हमले हो सकते हैं। यहां बात केवल ईरान को सैनिक सबक सिखाना ही नहीं है। अमेरिका का असल इरादा वहां शासन परिवर्तन है। अमेरिका को लगता है कि जब तक खोमेनेई का शासन ईरान पर रहेगा तब तक आतंकियों को पनाह और परमाणु बम बनाने की कवायद चलती रहेगी। यही बात नेतन्याहू ने भी कही और ईरानी जनता से सीधे खोमेनेई के खिलाफ बगावत का आह्वान किया। लेकिन इसका अभी खास प्रतिसाद नहीं मिला है। अर्थात् खोमेनेई की पकड़ देश पर अभी कमजोर नहीं हुई है। इस बीच रूस ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है तो दूसरी तरफ वह ईरान का खुलकर समर्थन भी कर रहा है। भारत ने भी जंग को रोकने और मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया है। पीएम मोदी की नेतन्याहू से बात भी हुई है। लेकिन इस जंग में बाकी देश कूदे तो हालात भयानक होंगे।

ट्रम्प और मस्क के झगड़े से बनेंगे नए सत्ता समीकरण

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

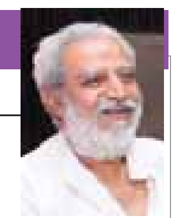

जो भी हो परंतु यह मस्क और ट्रंप का विवाद कई नए परिणाम ला सकता है। पिछले कई सौ वर्ष से अमेरिका में मुख्यतः दो ही पार्टियों के बीच मुकाबला रहा है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी। मतदाता वर्ग में भी एक प्रकार का ध्रुवीकरण हुआ है। अब मस्क की तीसरी पार्टी बनने के बाद अमेरिका के मतदाताओं का रुझान क्या होगा अमेरिका की दो दलीय राजनीति तीन दलीय राजनीति में बंटेगी या फिर मतदाता इस तीसरी पार्टी को स्वीकार करेगा, कहना कठिन है। हालांकि तीनों पार्टियां अमेरिकी पूंजीवाद की पोषक पार्टियां हैं। एलन मस्क के अलगाव का एक असर अमेरिका के अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विश्व तकनीक जगत पर पड़ेगा क्योंकि एक-दूसरे को कमजोर करने के लिए ट्रंप और मस्क घात प्रतिघात का खेल खेलेंगे। एक सच्चाई यह है कि यह दोनों ही वैश्विक पूंजीवाद के प्रमुख प्रवक्ता हैं और मूल नीतियों में कोई अंतर नहीं है।

अमेरिका के पिछले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प के सबसे नजदीकी प्रचारक एलन मस्क माने गये। एलन मस्क अमेरिका की उस स्टारलिंक कम्पनी के मालिक हैं जो अंतरिक्ष-तकनीक मामले में सर्वाधिक सशक्त है। उनकी कंपनी की दक्षता इससे ही जानी जा सकती है कि आठ माह तक अंतरिक्ष में अटकी रहीं सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगियों की धरती पर वापसी एलन मस्क के प्रयासों से ही सम्भव हुई। अमेरिकी सरकार और नासा के लिए भी उन्हें पृथ्वी पर लाना सम्भव नहीं हो पा रहा था। अमेरिकी समाज में इसको लेकर गंभीर चिंता थी। अंतरिक्ष की खोजी दुनिया में भी यह चिंता का विषय था।

जो शोध-सूचनाएं-अनुभव और ज्ञान सुनीता विलियम्स और उनके सहकर्मियों ने संग्रहित किए होंगे, जो विज्ञान व अंतरिक्ष के भविष्य के लिए बहुत उपयोगी होंगे, सुनीता विलियम्स की अगर वापसी न होती तो वह भी छिपे रह जाते। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में बाइडन सरकार पर यह आरोप लगाया था कि वह विलियम्स को वापस नहीं लाना चाहते इसलिए हर बार तारीख बढ़ जाती है। डोनाल्ड ट्रम्प ने सुनीता विलियम्स और उनके साथियों को वापस लाने वादा करते हुए यह महत्वपूर्ण कार्य उन्होंने एलन मस्क को सौंपा था। इस कार्य को एलन मस्क ने पूरा कर दिखाया। अमेरिकी प्रशासन तंत्र में जो लोग डोनाल्ड ट्रम्प से बहुत डरे हुए थे और जिन्हें ट्रंप अपनी सत्ता का बाधक मानते थे, उन्हें दुरुस्त करने का काम भी डोनाल्ड ट्रम्प ने एलन मस्क को सौंपा था और संबंधित विभाग का प्रभारी बनाया था। उन्होंने अपने अल्पकाल में वह काम भी लगभग पूरा किया। परंतु पिछले कुछ दिनों से ट्रंप और मस्क की जुगल जोड़ी में बिखराव आया है। मस्क ने ट्रंप के द्वारा दी हुई जवाबदारी को छोड़ दिया है। उनके रिश्ते भी लगभग टूट चुके हैं। यहां तक की उन्होंने बयान दिया है कि अगर मैं समर्थन न करता तो ट्रंप हार जाते। ट्रंप ने उत्तर दिया कि उनके समर्थन न करने के बावजूद वे चुनाव जीतते। ट्रंप और मस्क के बीच मतभेद गहराता जा रहा है। यहां तक की मस्क ने ऐलान कर दिया है कि वह अलग पार्टी बना रहे हैं। उस पर काम करना शुरू कर दिया है। ट्रंप और मस्क के मतभेद के दो प्रमुख कारण बताए जाते हैं पहला यह कि मस्क ट्रंप के द्वारा लगातार टैरिफबढ़ाये जाने के खिलाफथे। वे चाहते थे कि ट्रंप यह न करें। उनका मानना है कि टैरिफ की वृद्धि जिसे टैरिफ वार कहा गया, से अमेरिका की अर्थव्यवस्था को भारी क्षति पहुंचेगी। इस बारे में अलग-अलग राय हैं। कुछ लोग अभी भी यह मानते हैं कि इस टैरिफ वार से अमेरिका को कोई नुकसान नहीं होगा। यह भी बताया गया है की टैरिफ वार के बावजूद अमेरिका को 84 हजार करोड़ रुपए का फायदा हुआ है। यह फायदा आयात पर टैरिफ से हुआ है।

जो भी हो परंतु यह मस्क और ट्रंप का विवाद कई नए परिणाम ला सकता है। पिछले कई सौ वर्ष से अमेरिका में मुख्यतः दो ही पार्टियों के बीच मुकाबला रहा है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी। मतदाता वर्ग में भी एक प्रकार का ध्रुवीकरण हुआ है। अब मस्क की तीसरी पार्टी बनने के बाद अमेरिका के मतदाताओं का रुझान क्या होगा अमेरिका की दो दलीय राजनीति तीन दलीय राजनीति में बंटेगी या फिर मतदाता इस तीसरी पार्टी को स्वीकार करेगा, कहना कठिन है। हालांकि तीनों पार्टियां अमेरिकी पूंजीवाद की पोषक पार्टियां हैं। एलन मस्क के अलगाव का एक असर अमेरिका के अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विश्व तकनीक जगत पर पड़ेगा क्योंकि एक दूसरे को कमजोर करने के लिए ट्रंप और मस्क घात प्रतिघात का खेल खेलेंगे। एक सच्चाई यह है कि यह दोनों ही वैश्विक पूंजीवाद के प्रमुख प्रवक्ता हैं और मूल नीतियों में कोई अंतर नहीं है। ट्रंप को झुकाने के लिए एलन मस्क ने एक तरफ 830 करोड़ की चुनावी फंडिंग रोकने का संकेत दिया है। यह भी कि वे अब ट्रंप विरोधी कैंपेन को फंडिंग करेंगे। मस्क ने 5 जून को एक्स पर अमेरिकी मतदाताओं से पूछा था कि क्या अमेरिका में नया राजनीतिक दल बनना चाहिए? 24 घंटे में 47 लाख लोगों ने वोट दिया। 80 फीसदी लोगों ने नए दल का समर्थन किया। यह भी कहा कि ट्रंप पर महाभियोग चलना चाहिए। मस्क ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जैपनी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को इसलिए रोका है क्योंकि उनमें उनका नाम है। मस्क ने यह धमकी भी दी है कि वह स्पेस एक्स से ड्रैगन यान बंद कर देंगे जो सूचनाएं पहुंचाता है। ट्रम्प के समर्थक स्टीव ने कहा कि राष्ट्रपति को आधी रात को स्पेस एक्स को जप्त कर लेना चाहिए। ट्रंप ने भी मस्क की कंपनियों को सरकारी एजेंसियों से मिले पच्चीस हजार करोड़ के ठेके रद्द करने की धमकी दी है। ट्रंप मस्क की टॉप सीक्रेट सुरक्षा का क्लियरेंस रद्द कर सकते हैं और राष्ट्रपति के अधिकारों का प्रयोग करते हुए मस्क के खिलाफ कई प्रकार की जांच बिठा सकते हैं। हालांकि ऐसी राजनीतिक कार्यवाहियों से एलन मस्क को फायदा भी हो सकता है और विशेष कर जो नया राजनीतिक दल बनाने की तैयारी में है उसके लिए उन्हें लाभ मिल सकता है। ट्रंप और मस्क के इस अलगाव से अमेरिकी राजनीति में जो नए प्रकार का प्रयोग शुरू हुआ है वह आम अमेरिकी के स्वभाव के विपरीत है। ऐसा लगता है कि मानसिक रूप से दो तानाशाहों के बीच का यह युद्ध अमेरिकी व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर गंभीर क्षति पहुंच जाएगा। अमेरिका की विश्व शक्ति, आर्थिक शक्ति और सामरिक शक्ति के एकाधिकार को अंदर से ही क्षति पहुंचाने वाला हो सकता है। ट्रंप के टैरिफ वार के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव होंगे और अमेरिकी समाज उसे अमेरिका प्रथम के रूप में देखेगा या अमेरिका की अर्थव्यवस्था को नुकसानदायक मानेगा इस पर कोई विशेष अध्ययन नहीं हुआ है। अमेरिका के इस टैरिफ वार से और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में भारत के प्रधानमंत्री की भूमिका को लेकर कई प्रकार के संदेह और प्रश्न अमेरिका के सत्ता प्रतिष्ठान में चिन्हित और चर्चित हो रहे हैं। ऐसा बताया गया है कि डोनाल्ड ट्रंप यह मानते हैं कि भारत के प्रधानमंत्री ने उनको हराने में अपनी भूमिका अदा की थी और चुनाव के कुछ ही दिन पहले जब जो बाइडेन रेस से हट चुके थे और अपने अमेरिकी प्रवास में उनके निजी घर पर जाकर श्री नरेंद्र मोदी का जो बाइडेन से मिलना भी उन्हें उचित नहीं लगा था। एलन मस्क के पिता श्री एरोल मस्क ने भी ऐसे कुछ संकेत दिए। एलन मस्क अपनी नई पार्टी के गठन और उसके जनाधार को बढ़ाने के लिए अमेरिका में बसे भारतीय समाज को अपने पक्ष में करने के लिए सक्रिय हुए हैं। इसमें उनका पूरा परिवार यानी उनके पिता भी सक्रिय हुए हैं। पिछले दिनों एलन मस्क ने भारत का दौरा किया था। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात हुई थी। जबकि कुछ माह पूर्व श्री मस्क ने श्री मोदी से मुलाकात के कार्यक्रम को टाल दिया था। इतना ही नहीं श्री मस्क ने भारत यात्रा के दौरान अयोध्या में राम मंदिर के भी दर्शन किए, इसके समाचार छपे हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति की तारीफभी की। उनके पिता श्री एरोल मास्क ने 2 जून को पत्रकारों से चर्चा में ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान समस्या पैदा कर रहा है तो कुछ करना होगा तथा आतंकवाद के साये में जी रहे कश्मीर की दुर्दशा को समाप्त करने की जरूरत बताई। उन्होंने पीएम मोदी को शानदार नेता बताया और कहा कि उनकी अगुवाई में भारत विश्वगुरु बनने जा रहा है। उन्होंने विश्व शांति के लिए सनातन धर्म का मार्ग अपनाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान शिव की जय जयकार से संसार की समस्याओं से रक्षा होगी। उन्होंने भारत की बढ़ती हुई जीडीपी को भारत के विश्व शक्ति होना बताया था। एरोल मस्क और एलन मस्क के इन ताजा बयानों के बाद श्री नरेंद्र मोदी को और भाजपा तथा संघ को एक प्रोत्साहन मिला है। इसका प्रभाव अमेरिकी मतदाताओं पर भी पड़ेगा। हो सकता है कि मस्क की राजनीतिक लाइन या रणनीति यह हो कि अमेरिका के पचास प्रतिशत गोरे मतदाता तथा भारतीय मतदाता मिलकर उन्हें चुनाव में सफलता दिला सकते हैं। हालांकि यह कहना अभी एकदम दूर की कौड़ी होगी। तीन वर्षों में कितने करवट ट्रंप बदलेंगे, कितने मस्क बदलेंगे यह भी कहना संभव नहीं है। ट्रंप ने अमेरिका में बसे अवैध नागरिकों को लेकर उन्हें निकालने की, दंडित करने की, प्रोत्साहित करने की और सजा देने की नीति बनाई है। वे अमेरिका में अमेरिकियों को अमेरिकियों का रोजगार बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने अवैधानिक प्रवासियों पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने हार्वर्ड जैसी शिक्षण संस्थाओं की आजाद गतिविधियों को नियंत्रित करना शुरू किया और 12 देशों से आने वाले छात्रों पर रोक लगाने का आदेश पारित किया है। अपने निर्णय को क्रियान्वित करने के लिए उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को अमेरिकी सरकार द्वारा दी जाने वाली 19 हजार करोड़ की टैक्स छूट को भी रोकने को कहा है। ऐसे मुल्कों के छात्रों को वीजा देने या निरस्त करने की भी घोषणा की है जो हार्वर्ड में पढ़ते हुए अमेरिकी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन आदि करते हैं। अमेरिकी राजनीति में यह एक बड़ा बदलाव है क्योंकि पिछले कई सदियों से अमेरिका खुले समाज व आंतरिक स्वतंत्रता का केंद्र रहा है। दुनिया के तमाम आतंकवादी केन्द्रों को खुराक अमेरिका से मिलती रही है। समय-समय पर अमेरिका ने दूसरे देशों को कमजोर करने के लिए इन केन्द्रों का प्रयोग किया है। अपने हितों के खिलाफ जाने वाली दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारों को गिराने में भी इन संस्थाओं का अमेरिकी सिस्टम ने चतुर उपयोग किया है। अफगानिस्तान में कम्युनिस्ट सरकार को गिराकर तालिबानियों को सत्ता में लाने की भूमिका भी अमेरिकी व्यवस्था ने की थी। अब इस नई नीति के अमेरिकी सत्ता के केंद्र पर क्या प्रभाव होंगे यह भी अभी स्पष्ट नहीं है, परंतु ट्रंप और मस्क का यह सत्ता-संघर्ष अगर ऐसे ही चलता रहा तो यह एक भिन्न अमेरिका और भिन्न दुनिया को बनाने का मार्ग बनाएगा।

राज्यसभा में दिखाई देंगे कमल हासन

राजनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कमल हासन सिने-संसार की विलक्षण शख्सियत है। उनके व्यक्तित्व में अनेक व्यक्तित्वों का समावेश है। प्रतिभा के समुच्चय का यूं पर्याय हैं कमल हासन कि उनके बखान के लिए मणिकांचन योग की संज्ञा नाकाफी है। 7 नवंबर, 1954 को परमकुड़ी, मद्रास (अब चेन्नै) में जनमे कमल अभिनेता, राजनीतिज्ञ, पटकथा लेखक, फिल्म निर्माता निदेशक, गीतकार, पार्श्वगायक और कोरियाग्राफर हैं। वह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्म फेयर पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं के तौर पर जाने जाते हैं।

सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए अकादेमी पुरस्कार विजेता में भारत द्वारा प्रस्तुत सर्वाधिक फिल्मों वाले अभिनेता का श्रेय उन्हें प्राप्त है। उनकी फिल्म निर्माण कंपनी राजकमल इंटरनेशनल ने अनेक सफल और उत्कृष्ट फिल्मों का निर्माण किया है। स्वयं कमल हासन अभिनय और निर्देशन की दुनिया की अलीक शख्सियत हैं। वह चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं स्वीकार करते हैं और कुछ अलग हटकर करने की कोशिश करते हैं। इसी कोशिश में उनकी सफलता और लोकप्रियता का राज छिपा है। उनके अभिनय का फलक बड़ा है। अभिनय की उनकी रेंज आश्चर्यचकित करती है। हिन्दी और तमिल सिने-उद्योग में उनका नाम सफलता की गारंटी माना जाता है। हिन्दी संसार में उनके प्रशंसकों का बड़ा वर्ग है और इसकी तादाद बॉक्स ऑफिस पर उनके द्वारा निर्मित या अभिनीत फिल्मों की सफलता सुनिश्चित करती है। यह क्रम सन् 1981 में प्रदर्शित के बालाचंदर की 'एकदूजे के लिए' से प्रारंभ हुआ था और सदमा, चाची 420, सागर, गिरफ्तार, पुष्पक, अप्पू राजा, हिन्दुस्तानी, हे राम आदि के जरिये परवान चढ़ा। उनके पुरस्कारों की फेहरिस्त वजनी और लंबी है। उनकी भूमिकाएं अविस्मरणीय हैं और मानस पटल पर छाप छोड़ती हैं। सदमा, पुष्पक और चाची 420 के कमलहासन को कौन भूल सकता है। मूक फिल्म 'पुष्पक' उनकी बेमिसाल अदाकारी का प्रमाण है और 'चाची 420' दिलचस्प प्रस्तुति। वह अप्पू राजा भी बन सकते हैं और सागर के

असफल प्रेमी भी। 'सागर' में अपने अभिनय से वह दो पुरस्कार जीतते हैं। मणिरत्नम की गॉडफादरनुमा फिल्म नायकन (1987) में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली और इसे टाइम पत्रिका ने सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में शुमार किया।

पद्मश्री से विभूषित कमल हासन भारतीय सिने ऊद्योग के सर्वाधिक सम्मानित कलाकार है। सर्वाधिक चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, तीन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार तथा एक सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार पुरस्कार उनकी उपलब्धियों के खाते में दर्ज है। वह अब तक पांच भाषाओं में रिकार्ड 19 फिल्म फेयर पुरस्कार जीत चुके हैं। उन्हें तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, नंदी पुरस्कार और विजय पुरस्कार तो मिला ही 'दशावतारम' ने उनकी झोली में एक साथ चार पुरस्कार डाले। स्थिति ऐसी बनी कि उन्होंने उन्हें पुरस्कारों से दूर रखने की सर्वाधिक अपील की।

सन् 1960 में तमिल फिल्म 'कलतूर कन्नम्मा' में बहैसियत बाल कलाकार अभिनय-जीवन की शुरूआत करने वाले कमल हासन इन दिनों सुर्खियों में हैं और जेरे बहस भी। उनकी फिल्म 'ठगलाइफ' कर्नाटक में प्रदर्शित नहीं होगी, क्योंकि उन्होंने कन्नड़ को तमिल से उद्भूत बताकर बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। कन्नडिगे उनसे रूष्ट हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई है, लेकिन कमल हासन ने कैफियत तो दी, मगर क्षमयाचना नहीं की। उन्हें अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म का कर्नाटक में प्रदर्शन नहीं होना तो बर्दाश्त है, लेकिन अपनी मान्यताओं पर समझौता स्वीकार्य नहीं।

बेतहाशा कामयाबी और अपार शोहरत के बावजूद कमल हासन का निजी जीवन पीड़ादायी रहा है। उनके दांपत्य जीवन में दरारें पड़ती रहीं। उनका निजी जीवन मिलन और बिछोह की मिश्रित गाथा है। सन 1970 के दशक में तमिल और मलयालम की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीविद्या से उनका प्रेम-प्रसंग चर्चित रहा। श्रीवद्या की मृत्यु सन् 2006 में हुई। अंतिम दिनों में जब वह रोग शैय्या पर थीं, कमल उनसे मिलने भी गये थे। बहरहाल, सन 1978 में उन्होंने आयु में उनसे बड़ी वाणी गणपति से शादी की। वाणी कमल की फिल्मों में कास्टयूम डिजाइनर रहीं और शोहरत बटोरी लेकिन करीब दस वर्ष के साहचर्य के बाद सारिका से डेटिंग का पता चलने पर आहत वाणी अलग हो गयीं और दोनों के बीच संपर्क के तार भी टूट गये। सन 1988 में कमल और सारिका परिणय-बंधन में बँध गये। उनकी दो बेटियां हैं श्रुति और अक्षरा। श्रुति सफल गायिका और अभिनेत्री हैं। सारिका भी वाणी की भांति कमल की कास्ट्यूम डिजाइनर रही और 'हे राम' में उससे बड़ी प्रशंसा मिली। लेकिन सन 2004 में इस जोड़ी में भी तलाक हो गया। इस अलगाव की वजह रही 22 साल छोटी नायिका सिमरन बग्गा से कमल की अंतरंगता। मगर यह रिश्ता ज्यादा खिंचा नहीं और कमल सन् 80 और सन् 90 के दशक की रूपहले पर्दे की अपनी नायिका गौतमी के साथ रहने लगे। कमल ने स्तन कैंसर से ग्रस्त गौतमी के साथ साथ निभाया। संप्रति, श्रुति और अक्षरा तथा गौतमी की बिटिया सुब्बलक्ष्मी कमल के साथ एक छत तले रहती हैं।

आपको हैरत होगी अगर कहा जाये कि कमल का यह परिचय अधूरा है। अधूरा इस नाते कि वह बतौर खिलाड़ी राजनीति के मैदान में भी उतर चुके हैं। 21 फरवरी, 2018 को उन्होंने मदुरै में मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) नामक पार्टी की स्थापना की। इस पार्टी के झंडे में प्रतीकस्वरूप परस्पर आबद्ध छह हाथ हैं, जो दक्षिण भारत के पुदुच्चेरि समेत छह राज्यों को दर्शाते हैं। इस पार्टी के महासचिव हैं ए. अरूणाचलम। दिलचस्प तौर पर इस पार्टी ने लोकसभा अथवा राज्यसभा की अब तक एक भी सीट नहीं जीती है। इस पार्टी का चुनाव चिन्ह है टॉर्च। चेन्नै में अलवारपेट में इसका दफ्तर है। पार्टी ने मोबाइल व्हिसिल ब्लोअर ऐप भी जारी किया है, जिसका नाम है मैयम व्हिसिल।

सन् 2019 के के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 37 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन उसका सूपड़ा साफ हो गया। सन् 2021 में तमिलनाडु की 180 असेंबली सीटों पर चुनाव लड़ा। वह एक भी सीट नहीं जीत सकी। स्वयं कमल भी 1728 वोटों को मामूली अंतर से हार गये। इसके बाद उपचुनाव आये तो कमल कांग्रेस से जुड़े, मगर सन् 2024 के चुनाव में उन्होंने डीएमके से हाथ मिला लिये। उनके समर्थन के एवज में स्तालिन ने तभी घोषणा कर दी थी कि उनकी पार्टी कृतज्ञता स्वरूप कमलहासन को राज्यसभा में भेजेगी। स्तालिन ने वायदा निभाया और छह जून को उनकी उपस्थिति में कमल ने पर्चा दाखिल कर दिया। अब 19 जन को चुनाव की रस्म अदायगी के बाद कमल हासन राज्यसभा में दिखाई देंगे।

राख में दबे सपनों की चीख

विमान हादसा

आदित्य तिक्कू

12 जून 2025 को अहमदाबाद का आसमान एक ऐसी त्रासदी का साक्षी बना, जिसने 145 करोड़ भारतीयों के दिलों को दहला दिया। एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171, जो लंदन के लिए रवाना हुई थी, उड़ान भरने के केवल 59 सेकंड के भीतर आग का गोला बनकर धरती पर गिर पड़ी। इस भयावह हादसे में 242 में से 241 यात्रियों की जान चली गई। जो लोग चंद क्षण पहले अपने सपनों के साथ उड़ान भर रहे थे, वे पिघले हुए मलबे में तब्दील हो गए। केवल एक यात्री रामविश्वास कुमार इस मृत्यु के समंदर से किसी चमत्कार की तरह जीवित लौट पाए।

पर यह त्रासदी केवल एक विमान दुर्घटना नहीं थी। यह हमारे समय के उस गहरे डर की कहानी है जो अब हर उड़ान में हमारे साथ बैठेगा। हर बार जब कोई पायलट कहेगा, वी आर रेडी फॉर टेक ऑफ, तब हमारे दिलों में यह सवाल उठेगा कि क्या हम सही-सलामत लौटेंगे?

इस विमान में बैठे लोग कोई आकस्मिक यात्री नहीं थे। वे सपनों को आकार देने निकले थे। राजस्थान का जोशी परिवार, डॉ. प्रतीक, डॉ. कामिनी और उनके तीन मासूम बच्चे; नवविवाहिता खुशबू, जो शादी के तीन महीने बाद पहली बार अपने पति से मिलने लंदन जा रही थी; मणिपुर की 22 वर्षीय एयर होस्टेस नंगा थोई शर्मा, जिसने पिछले वर्ष ही अपने सपनों को पंख दिए थे; गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूणी और उनका परिवार, सभी की जीवनगाथाएं अधूरी रह गईं। हर तस्वीर अब एक जली हुई याद बनकर रह गई है।

यह हादसा केवल मौत की गिनती नहीं है। यह सवाल है – कि उड़ान भरते ही विमान कैसे गिर पड़ा? प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि विमान ने रनवे की पूरी लंबाई का उपयोग नहीं किया, जिससे आवश्यक टेक-ऑफ स्पीड नहीं मिल पाई। दोनों इंजनों का अचानक बंद हो जाना, पायलट द्वारा इमरजेंसी सिग्नल भेजने के बावजूद प्रतिक्रिया न मिलना – ये सारे संकेत किसी गंभीर तकनीकी गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं।

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, जो विश्व में अपने सुरक्षित रिकॉर्ड के लिए प्रसिद्ध है, इस हादसे में धधकता हुआ गिरा। जांच एजेंसियों की निगाह अब ब्लैक बॉक्स पर टिकी है। परन्तु सबसे बड़ा सवाल वही रह जाता है – यदि तकनीकी त्रुटियां थीं तो उड़ान भरने की अनुमति कैसे दी गई? क्या निरीक्षण प्रक्रिया इतनी लचर थी?

टाटा समूह ने मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। पर क्या धन उन परिवारों की पीड़ा का मूल्य चुका सकता है? क्या कोई भी मुआवजा उस मां का आँचल फिर से हरा कर सकता है जिसने अपनी गोद का चिराग खो दिया? क्या किसी मासूम बच्चे की मासूम हंसी लौटाई जा सकती है जिसने अपने पिता को हमेशा के लिए खो दिया?

यह हादसा केवल अहमदाबाद का नहीं है। यह हर उस भारतीय का है जो कभी भी, किसी भी एयरपोर्ट पर अपने परिजनों को अलविदा कहता है। हर बार जब कोई विद्यार्थी विदेश पढ़ने जाता है, कोई दुल्हन ससुराल के लिए रवाना होती है, कोई व्यवसायी नए सपनों की खोज में निकलता है – हर बार अब यह डर भी साथ रहेगा।

हमारे देश का विमानन इतिहास पहले भी हादसों से दागदार रहा है। 1996 में चरखी दादरी की टक्कर में 349 जिंदगियाँ खत्म हो गई थीं। वर्षों बीतने के बाद भी हम इन हादसों से सीख नहीं पा रहे हैं। हर हादसे के बाद वही शब्द – तकनीकी खराबी, मानवीय त्रुटि, सिस्टम फेल्योर, और कभी-कभी साजिश की अटकलें। परंतु मूल प्रश्न वही रहता है – यात्रियों की जान इतनी सस्ती क्यों है?

यह समय है कि भारत अपने विमानन तंत्र में व्यापक सुधार करे। रनवे, मेंटेनेंस, निरीक्षण, पायलट ट्रेनिंग, और एयर ट्रैफिक कंट्रोल -हर स्तर पर शून्य सहिष्णुता की नीति लागू करनी होगी। हमें केवल मुआवजा बांटने के लिए नहीं, बल्कि हादसों को रोकने के लिए तैयार रहना होगा।क्योंकि हर हादसे के बाद हम बस यही सोचते रह जाते हैं कि उस विमान में कोई अपना भी हो सकता था... या हम खुद हो सकते थे।अब हमें इस डर के साथ जीना नहीं सीखना चाहिए, बल्कि ऐसे कदम उठाने चाहिए कि फिर कोई अहमदाबाद हादसा न दोहराया जाए। प्रार्थना है कि फिर कभी किसी उड़ान में ऐसी विभीषिका न घटे, जिसमें समूचे राष्ट्र की आत्मा ही जल उठे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मन मस्त हुआ तो क्यों बोले !

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं

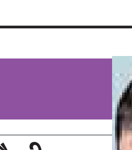

भाई साहब एक बात नोट की होगी आपने; लगता है इनदिनों हमारे दिमाग ने सोचना बंद कर दिया है ! यूँ समझिए कि दिमाग चलता ही नहीं है ।

'टेंशन मत लो, दिमाग किसी का भी नहीं चलता है । पाँव चलते हैं। पाँव पर ध्यान दो, चप्पल पहना करो ।'

'आप समझे नहीं । मेरा कहने का मतलब था कि पिछले कुछ वर्षों से चिंता के ओवर लोड के चलते दिमाग के पुर्जे ढीले हो गए।'

'पुर्जे दिमाग मे नहीं होते हैं, मशीन में होते हैं । ढीले हो गए हैं तो मेकेनिक से कसवा लो ।'

'आप बात को समझ नहीं रहे हैं !'

'समय की माँग है कि लोग बात को नहीं समझने की आदत डाल लें । जो बात समझ जाते हैं वो कमबख्त सवाल पूछते हैं । गाँधी जी ने कहा है कि मन, वचन या कर्म से किसी को दुख पहुंचना हिंसा है । तो सवाल पूछना हिंसा है । धारा तीन सौ सात भी लग सकती है । सरकार देवता है, हमेशा पुष्प वर्षा करती है तो बटोरो, माला बनाओ और पूजा पाठ में लगो मजे में । इसमे कुछ समझने या दिमाग चलाने की क्या जरूरत है ! ना समझे वही देशभक्त होता है ।'

'आदरणीय आप क्या कह रहे हैं हमे कुछ समझ में नहीं आ रहा है।'

'बिल्कुल ठीक, यही रवैया होना चाहिए । कोई कुछ भी कहे मान लो कि हमें कुछ समझ में नहीं आ रहा है । समझ लेने के खतरे बहुत है । ज्ञानी हो तो घर में बैठो, लूडो खेलो । समझ से खुद भी दूर रहो और अपने बच्चों को भी दूर रखो।' 'ऐसे कैसे मान लूँ दीनानाथ जी ! मूर्ख बने रहना क्या आसान काम है ! कुछ तो जानना समझना पड़ता ही है ।' 'पढ़े लिखों के लिए कोई काम कठिन नहीं है । जमाने के साथ चलो । मन चांग तो कठौती में गंगा । दिमाग को छोड़ो मन को रगड़ो ।'

'मन की ही तो दिक्कत है । मानता ही नहीं कमबख्त ।'

'खैनी चबाने वाले कैसे रगड़ते हैं हथेली पर । जितना रगड़ते हैं उतना मजा देती है । कबीर ने कहा है - 'मन मस्त हुआ तो क्यों बोले'। ऊंचे लोग ऊंची पसंद, अंदर से बाहर तक केसरी ही केसरी । यह एक तरह का योग है । अभ्यास से आएगा । जो लोग पहले मेंढक को देख कर मेंढक-मेंढक चिल्लाते थे अब साँप को देख कर भी चुप लगाये रहते हैं ।'

'साँप दिखाई देते हैं क्या आजकल !'

'हाँ, सब देख रहे हैं । भगवान के गले में, भुजाओं में लिपटे दिखाई देते हैं । महँगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, भूख, गरीबी, हत्या, बलात्कार वगैरह सब साँप ही तो हैं ।'

'साँप तो श्रंगार है भगवान का । अपन प्रभुजी की वंदना करते हैं तो इनकी भी हो जाती है । जानते हो ना, पृथ्वी जो है नाग के फन पर टिकी हुई है ।' 'सही दिशा में बढ़ रहे हो । ऐसे ही सोचते रहोगे तो दिमागी समस्या खत्म हो जाएगी । वो भजन सुना होगा - 'हवा के साथ साथ, घटा के संग संग ... ओ साथी चल ... यूँ ही दिन रात चल तू ।'

कानून और न्याय
विनय झैलावत
(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

पंजाब और हरियाणा के बीच जल बंटवारे का ताजा विवाद

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई करते हुए विवाद पर आपत्ति जताई और कहा कि हम अपने दुश्मन देश के साथ ऐसा कर रहे हैं। हमें अपने राज्यों के भीतर ऐसा नहीं करना चाहिए। पंजाब और हरियाणा के बीच बढ़ते जल विवाद ने उच्च न्यायालय को नाराज कर दिया है। जिसने आज कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कदम उठाने का फैसला किया है।

पंजाब और हरियाणा के बीच जल बंटवारे को लेकर तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पंजाब ने भाखड़ा-नांगल परियोजना के माध्यम से हरियाणा को अतिरिक्त 4,500 क्यूसेक पानी देने से इंकार कर दिया है। इस मुद्दे पर पंजाब में प्रमुख राजनीतिक दलों ने एकजुट होकर इस कदम का विरोध किया है। विवाद 23 अप्रैल को शुरू हुआ, जब हरियाणा ने अपने पष्चिमी जिलों में पीने के पानी की गंभीर कमी का हवाला देते हुए भाखड़ा-नांगल परियोजना से 8,500 क्यूसेक पानी मांगा। यह उसके सामान्य हिस्से से 4,500 क्यूसेक ज्यादा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और इस मामले को भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में उठाया।

बीबीएमबी ने हरियाणा के अनुरोध को मंजूरी दे दी, जिसके पक्ष में हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के सदस्य राज्यों ने मतदान किया। हिमाचल प्रदेश ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया और पंजाब ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस निर्णय के बावजूद, पंजाब ने नांगल बांध पर अतिरिक्त जलद्वार खोलने से इंकार कर दिया है। पंजाब द्वारा इस कदम को अभूतपूर्व और जबरन बताया गया है। हरियाणा सरकार ने अपने आवंटन को लागू करवाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद को सुलझाने के लिए केंद्र के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ को केंद्र ने सूचित किया कि उसने इस मुद्दे का सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए पहले ही प्रभावी कदम उठाए हैं। पीठ ने कहा कि हम दोनों राज्यों को सौहार्द्रपूर्ण समाधान पर पहुंचने में भारत संघ के साथ सहयोग करने का निर्देश देते हैं। पीठ ने कहा कि अगर तब तक यह मामला नहीं सुलझता है तो वह 13 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ से कहा कि हमने मध्यस्थता के लिए प्रयास किए हैं, लेकिन राज्यों को अपनी बात पर अमल करना होगा। एसवाईएल नहर की परिकल्पना रावी और व्यास नदियों से पानी के प्रभावी आवंटन के लिए की गई थी। इस परियोजना में 214 किलोमीटर लंबी नहर की परिकल्पना की गई थी। इसमें 122 किलोमीटर नहर पंजाब में और 92 किलोमीटर हरियाणा में बनाई जानी थी। हरियाणा ने अपने क्षेत्र में परियोजना पूरी कर ली है, लेकिन पंजाब ने सन् 1982 में निर्माण कार्य शुरू किया था। बाद में इसे पंजाब ने ठंडे बस्ते मे डाल दिया। दोनों राज्यों के बीच विवाद दशकों से चल रहा है। शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी, 2002 को हरियाणा द्वारा 1996 में दायर एक मुकदमे में उसके पक्ष में फैसला सुनाया था और पंजाब सरकार को एसवाईएल नहर के अपने हिस्से का निर्माण करने का निर्देश दिया था।

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में एक याचिका भी दायर की है। इसमें बोर्ड ने पंजाब द्वारा नांगल बांध के कथित अधिग्रहण के खिलाफ हस्तक्षेप की मांग की है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने उक्त याचिका पर सुनवाई करते हुए विवाद पर आपत्ति जताई और कहा कि हम अपने दुश्मन देश के साथ ऐसा कर रहे हैं। हमें अपने राज्यों के भीतर ऐसा नहीं करना चाहिए। पंजाब और हरियाणा के बीच बढ़ते जल विवाद ने उच्च न्यायालय को नाराज कर दिया है। जिसने आज कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कदम उठाने का फैसला किया है। लेकिन देश के राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ ऐसा नहीं करना चाहिए। पंजाब ने हरियाणा को पानी देने से इंकार कर दिया है। राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें अपने हिस्से का एक भी बूंद पानी नहीं छोड़ने की कसम खाई है। अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद तब उत्पन्न होता है जब दो या दो से अधिक राज्य अपनी सीमाओं के पार बहने वाली नदियों के उपयोग, वितरण या नियंत्रण पर असहमत होते हैं।

अंतर्राज्यीय जल विवाद का मुख्य कारण जल के समान वितरण को लेकर अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम राज्यों के बीच संघर्ष है। जब कोई राज्य असमान हिस्से या अनुचित आवंटन से व्यथित महसूस करता है, तो समझौतों में अस्पष्टता अक्सर विवादों को बढ़ावा देती है। सूखे और बदलते मौसम के पैटर्न के कारण

प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। इसके अलावा राजनीतिक और चुनावी विचार विवाद समाधान को जटिल बनाते हैं। कृषि और औद्योगिक जल आवश्यकताओं के बीच तनाव। बेहतर बुनियादी ढांचे वाले अमीर राज्य जल पहुंच पर हावी हैं। अंत में लंबे समय तक चलने वाले न्यायाधिकरण या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले समाधान में देरी करते हैं।

जल और इसके विभिन्न मामलों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को 3 सूचियों में सूचीबद्ध किया गया है। संघ सूची की प्रविष्टि 56, संसद द्वारा जनहित के लिए आवष्यक समझे जाने पर, अंतर्राज्यीय नदियों और नदी घाटियों को विनियमित और विकसित करने के लिए संघ सरकार को अधिकार प्रदान करती है। समवर्ती सूची की प्रविष्टि 32, यांत्रिक रूप से चालित जहाजों के संबंध में अंतर्देशीय जलमार्गों पर नौवहन और नौवहन तथा ऐसे जलमार्गों पर सड़क के नियम से संबंधित है। जबकि, राज्य सूची की प्रविष्टि 17, जल से संबंधित है, जिसमें जल आपूर्ति, सिंचाई, नहरें, जल निकासी, तटबंध, जल भंडारण और जल विद्युत जैसे पहलू शामिल हैं।

संविधान संसद को अनुच्छेद 262 जैसे विवाद समाधान प्रावधानों से भी सशक्त बनाता है। अनुच्छेद 262 के अनुसार, जल से संबंधित विवादों के मामले में संसद को किसी भी अंतर्राज्यीय नदी या नदी घाटी में जल के उपयोग, वितरण या नियंत्रण से संबंधित किसी भी विवाद या शिकायत के निपटारे के लिए कानून बनाने का अधिकार है। संसद कानून के माध्यम से यह निर्दिष्ट कर सकती है कि न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य न्यायालय को ऊपर बताए गए ऐसे विवादों या शिकायतों पर अधिकार क्षेत्र होगा। अनुच्छेद 262 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संसद ने नदी बोर्ड अधिनियम, 1956 पारित किया, जिसने केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के परामर्श से अंतरराज्यीय नदियों और नदी घाटियों के लिए बोर्ड स्थापित करने का अधिकार दिया। अब तक इस अधिनियम के तहत कोई नदी बोर्ड स्थापित नहीं किया गया है। अंतर्राज्यीय जल विवाद अधिनियम, 1956 के तहत यदि कोई राज्य या राज्य न्यायाधिकरण का अनुरोध करते हैं तो केंद्र सरकार को पहले परामर्श के माध्यम से मुद्दे को हल करने का प्रयास करना चाहिए। असफल होने पर वह न्यायाधिकरण का गठन कर सकती है।

अधिनियम के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए अवार्ड या फार्मूले पर सवाल नहीं उठाएगा, लेकिन वह न्यायाधिकरण के कामकाज पर सवाल उठा सकता है। हालांकि उक्त अधिनियम को 2002 में संशोधित किया गया था जिसमें जल विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना के लिए एक वर्ष की समय सीमा और सरकारिया आयोग की सिफारिषों के अनुसार निर्णय देने के लिए तीन साल की समय सीमा निर्दिष्ट की गई थी। पंजाब-हरियाणा जल विवाद अंतर्राज्यीय नदी जल बंटवारे की जटिलताओं को उजागर करता है, जो कानूनी, राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से और भी बढ़ जाती है। प्रभावी समाधान के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करना, सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना, वैज्ञानिक जल प्रबंधन को लागू करना और सभी राज्यों की जरूरतों को पूरा करने और सतत जल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए समान बुनियादी ढांचे का विकास सुनिश्चित करना आवश्यक है।

पारंपरिक खेल
श्याम कुमार कोलारे
लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

शारीरिक, मानसिक एवं संज्ञानात्मक विकास का आधार

मनुष्य के विकास में खेलों की भूमिका सदियों से महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से पारंपरिक खेल न केवल मनोरंजन का साधन रहे हैं, बल्कि वे बच्चों और युवाओं के शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और नैतिक विकास में भी अत्यंत सहायक सिद्ध हुए हैं। परंतु वर्तमान समय में आधुनिकीकरण, शहरीकरण और मोबाइल क्रांति ने इन खेलों की जगह आधुनिक डिजिटल खेलों को दे दी है, जिससे बच्चों का जीवन-शैली और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। भारत की सांस्कृतिक विरासत में पारंपरिक खेलों का विशेष स्थान रहा है। कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, कंचे, लंगड़ी टांग, पिट्ठू, गिल्ली-डंडा, टायर दौड़, लुका-छिपी, गदा-पीठी, घरगुला आदि खेल गाँवों और शहरों दोनों में लोकप्रिय थे। इन खेलों में केवल मनोरंजन ही नहीं था, बल्कि इनमें जीवन के लिए आवश्यक अनेक गुण भी छिपे होते थे।

पारंपरिक खेलों में दौड़ना, कूदना, झुकना, पकड़ना, गिरना और उठना जैसी गतिविधियाँ होती हैं, जो बच्चों की मांसपेशियों, हड्डियों और सहनशक्ति को मजबूत बनाती हैं। बच्चे खुले मैदान में खेलने से ताजा हवा और प्राकृतिक धूप का भी लाभ लेते थे, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती थी। इन खेलों में निर्णय लेने, रणनीति बनाने, प्रतिक्रिया देने और समस्याओं का हल निकालने जैसी क्षमताओं का विकास होता था। उदाहरण के लिए, कबड्डी और खो-खो जैसे खेलों में तेजी से सोचने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ती है। यह बच्चों में स्मरण शक्ति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और तार्किक सोच को भी मजबूत बनाता है। ये खेल सामूहिक होते थे, जिससे बच्चों में टीमवर्क, सहयोग, नेतृत्व, और सहानुभूति जैसे गुण विकसित होते थे। साथ ही, जब बच्चे हारते थे तो वे सीखते थे कि हार भी जीवन का हिस्सा है और इससे हतोत्साहित होने की बजाय अगली बार और बेहतर करने की कोशिश करनी चाहिए। यही जीवन की असली सीख है। पारंपरिक खेलों के ज़रिए बच्चे ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करते थे। कोई भी खेल बिना नियमों के नहीं चलता, और इन्हीं नियमों के पालन से नैतिकता की नींव पड़ती है।

वर्ष 2000 के बाद, जब मोबाइल और कंप्यूटर तकनीक ने दुनिया में क्रांति ला दी, तब इसका सीधा असर बच्चों के खेलने के तौर-तरीकों पर पड़ा। स्मार्टफोन, वीडियो गेम, टैबलेट, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ने बच्चों को घर के अंदर कैद कर दिया। अब बच्चे खुले मैदान की जगह छोटे स्क्रीन पर समय बिताने लगे हैं। इस बदलाव से बच्चों का शारीरिक विकास बाधित हो रहा है। दिनभर बैठकर गेम खेलने से मोटापा, आंखों की कमजोरी, पीठ और गर्दन में दर्द, और यहां तक कि मानसिक तनाव की समस्या भी बढ़ रही है। 5 से 10 वर्ष की आयु में चश्मा लगना अब आम बात हो गई है, जो पहले बहुत कम होता था। डिजिटल गेम्स जहां बच्चों को कल्पनाओं की दुनिया में ले जाते हैं, वहीं उनमें सामाजिक सहभागिता की कमी होती है। बच्चा अपने दोस्तों के साथ मिल-जुलकर खेलने और संवाद करने की बजाय मोबाइल स्क्रीन पर एकाकी समय बिताता है। इससे सामाजिक कौशल, आत्मविश्वास और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास रुक जाता है। इसके विपरीत पारंपरिक खेलों में आपसी बातचीत, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के साथ संतुलन बना रहता है, जो एक संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए आवश्यक है। पारंपरिक खेलों का एक और बड़ा लाभ यह था कि वे बच्चों को प्राकृतिक वातावरण के प्रति अनुकूल बनाते थे। बच्चे गर्मी, सर्दी, और बारिश जैसे मौसमों में भी खेलने जाते थे, जिससे उनका शरीर मौसम के प्रति सहनशील बनता था। आज के बच्चे मामूली बदलाव में भी बीमार पड़ जाते हैं, क्योंकि वे घरों में बंद रहते हैं और प्रकृति से जुड़ाव नहीं रख पाते।

आज समय की आवश्यकता है कि हम पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करें। इसके लिए सबसे पहले माता-पिता और शिक्षकों को जागरूक होना पड़ेगा। वे बच्चों को इन खेलों से परिचित कराएँ, उनके साथ समय बिताएँ और उन्हें प्रोत्साहित करें कि वे मोबाइल और टीवी से दूर रहकर खुली हवा में खेलें। विद्यालयों में इन खेलों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। स्पोर्ट्स पीरियड में सिर्फ क्रिकेट या फुटबॉल ही नहीं, बल्कि पारंपरिक खेलों का भी आयोजन होना चाहिए। स्थानीय स्तर पर खेल मेले, प्रतियोगिताएँ और कार्यशालाएँ आयोजित की जा सकती हैं, जिनमें बच्चे भाग लेकर इन खेलों को सीखें और अपनाएँ। इसके अतिरिक्त सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को भी इस दिशा में काम करना चाहिए। पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए नीति बनाई जानी चाहिए, जिसमें इन खेलों के प्रचार-प्रसार, खेल के मैदानों के निर्माण और प्रशिक्षकों की नियुक्ति पर विशेष ध्यान दिया जाए।

पारंपरिक खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाले साधन हैं। वे न केवल बच्चों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक रूप से सजग, सामाजिक रूप से जागरूक और भावनात्मक रूप से संतुलित भी बनाते हैं। आज जब आधुनिक तकनीक बच्चों को प्राकृतिक जीवन से दूर कर रही है, तब पारंपरिक खेल ही उन्हें फिर से संतुलित और स्वस्थ जीवन की ओर ले जा सकते हैं। इसलिए यह हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है कि हम पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करें, उन्हें अगली पीढ़ी तक पहुँचाएँ और अपने बच्चों को स्वस्थ, सशक्त और संस्कारित बनाने की दिशा में कदम उठाएँ।

पर्यावरण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
लेखक स्तंभकार हैं।

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह

संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ़ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कांक्रीट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं। इसी तरह से जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रुप में ईवी वाहनों के प्रोत्साहन के साथ ही दबे स्वर में यह रिपोर्ट आने लगी है कि ईवी का भी असर तापमान बढ़ोतरी पर पड़ेगा। हालात यहां तक होने लगे हैं कि हीट स्ट्रोक के कारण लोगों की ही नहीं जानवरों की भी जान जाने लगी है।

ग्लोबल हीट एक्शन डे के आयोजन के पीछे लोगों को हालात की गंभीरता से सजग करना और अत्यधिक हीटवेव से बचने के लिए सतर्क और सजग करना है। तापमान की बढ़ोतरी का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि स्थानीय निकायों द्वारा तापमान अधिक होने पर आमनागरिकों को राहत देने के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया जाने लगा है तो जयपुर सहित कई शहरों में सिग्नल वाले रास्तों पर गर्मी से राहत के लिए हरा पर्दा टांगा जाने लगा है। हीट एक्शन डे के माध्यम से लोगों को सजग करना, हीटवेव से बचने व सुरक्षा के उपायों खासतौर से भूखे पेट नहीं रहना, पानी व तरल पदार्थ का अधिक सेवन के साथ ही छाया में रहने और ढीले कपड़े पहने के साथ ही शरीर को ढक के रखना आदि के प्रति अवेयर करना है। आज लोगों में पशुपक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता बढी है और गर्मी के चलते दाना-पानी की व्यवस्थाएं एक अभियान के रुप में की जाने लगी है।

खैर यह तो व्यक्तिगत प्रयासों की बात हुई पर तापमान के चलते जंगलों में दावानल, समुद्र किनारें के शहरों के लिए खतरा व एक ही बरसात में बाढ़ जैसे हालात होना, आंधी तूफान के कारण जन-धन हानि और अन्य समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में अभी भी समय है कि हम सजग हो जाएं और प्रकृति से खिलवाड़ कर प्रकृति को विकृति बनाने के स्थान पर प्रकृति को विकास का वाहक बनाने में उपयोग करें तो यह अधिक सकारात्मक होगा। इसके लिए बीट द हीट के हैसटैग से संदेश देने का आह्वान भी लगातार किया जा रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि अब सोचने का समय नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने का समय आ गया है और इसके लिए समग्र व ठोस प्रयास करने होंगे।

यातायात नियमों का उल्लंघन विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

यहां कोई टोकने वाला नहीं... जहां हाथ दो, वहीं रूक जाती है बस, परिणाम- सड़क पर जाम, दुर्घटना का खतरा

संजय द्विवेदी,

बैतूल। शहर में जगह-जगह बस खड़ी करके सवारी ली जा रही। इससे अन्य वाहन चालक परेशान है। सडक़ पर बस खड़ी रहने से सडक़ों की चौड़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। दरअसल शहर के बस स्टैंड से निकलने के बाद बस चालक लगभग एक दर्जन से अधिक स्थानों पर बस रोकते है। कहीं-कहीं तो चली बस में सवारी को बैठाया जाता है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। विगत दिनों इस समस्या को लेकर बैठक में निर्देश दिये थे, कि बस चालक बस स्टैंड से निकलने के बाद सडक़ पर बस नहीं रोकेगे, लेकिन बैठक में हुए इस निर्णय का पालन नहीं हो रहा है। बता दे कि शहर से रोजाना दो सैकड़ा बसे विभिन्न रूटो पर चलती है। इन बसों में अपने गतंव्य तक पहुंचने के लिए हजारों यात्री सफर करते है। यात्रियों के लिए बस सुविधा के लिए शहर में बस स्टैंड भी बना है, जहां बसे रूकती है, लेकिन अधिकांश यात्री बस स्टैंड नहीं पहुंचे। इसके पीछे बस चालकों की लापरवाही भी है। अधिक यात्रियों को बैठाने और मुनाफे के चक्कर में चालक कहीं भी बस रोक देते है। इससे यात्री बस स्टैंड के बजाए रास्ते में ही उतरना-चढऩा करते है। जिससे दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बनी रहती है।

एक दर्जन से अधिक बना लिये अवैध बस स्टॉप

शहर में बस चालकों ने एक दर्जन से अधिक बस स्टॉप बना लिये है। जहां प्रतिदिन बसे रूकती है और इसी वजह से सडक़ पर जाम लगने और दुर्घटनाओं की संभावनाएं बढ़ गई है। बस स्टैंड से बस निकलने के बाद शहर के चौपाटी चौराहा, कॉलेज चौक रोड, गंज रोड सहित रास्ते में जहां भी सवारी मिल जाये, बस चालक बस रोककर सवारी भर रहे है, जहां से यात्री सफर शुरू करते है। जबकि नियमानुसार बस स्टैंड से बस छूटने के बाद रास्ते में नहीं रोका जाना चाहिए। किन्तु बस चालक सवारी बैठाने के लिए जगह-जगह बस रोककर सवारी लेते है। सबसे ज्यादा परेशानी मुल्ला पेट्रोल पंप और सरकारी अस्पताल, कारगिल चौक पर होती है, जहां बसों के रूकने से ट्रॉफिक जाम हो जाता है।

इन रूटों पर प्रतिदिन रवाना होती है बसें : जिला मुख्यालय से जिले के विभिन्न तहसीलों के अलावा बड़े शहरों के लिए बसे रवाना होती है। रोजाना दो सैकड़ा से अधिक बसे इन रूटो पर सवारी लेकर चलती है। सर्वाधिक बसे सारणी, मुलताई, आठनेर, चिचोली, भैंसदेही, इंदौर, भोपाल सहित अन्य बड़े शहरों के लिए चलाई जाती है। इन रूटो पर टाइमिंग मिलाने और सवारी बैठाने के लिए बस चालक तेज गति से वाहन चलाते है। जिससे कई बार हादसे भी हो चुके है। इसके बाद भी विभाग बस चालकों पर कार्रवाही नहीं कर रहा। शादियों और विशेष अवसरों पर बसों में क्षमता से अधिक सवारी भी ली जाती है।

सीमित समय तक ही कार्रवाही, इसलिए लापरवाही: जगह-जगह बसे रोककर सवारी बैठाने के मामले में ट्रॉफिक पुलिस द्वारा जरूर कार्रवाही की जाती है, लेकिन यह कार्रवाही सीमित समय तक चलती है। इसके बाद जगह-जगह बसों को रोककर सवारी भरने पर टोकने वाला कोई नहीं होता है, यहीं वजह है कि बस चालकों ने मनमुताबिक बस स्टॉप बनाकर बसे खड़ी करना शुरू कर देते है। जगह-जगह बसे रूकने से यात्री भी बस स्टैंड पहुंचने के बजाए रास्ते से ही बस में बैठते है। जागरूक नागरिकों का कहना है कि चालक स्टैंड से बाहर निकालकर बस को रोड किनारे खड़ा कर देते है। इस वजह से कई बार हादसे हो चुके है। सडक़ पर बसे खड़ी करना या चलती बसो में सवारी बैठाने से लोगों की जान तक जा सकती है। फिर भी विभाग कार्रवाही करने से परहेज कर रहा है।

बस स्टैंड से लल्ली चौक टू लेन सड़क पर लग रहा जाम

बस स्टैंड से लल्ली चौक तक टू लेन सडक़ पर बार-बार जाम लगने से आमजन परेशान है। हालात यह है कि वाहन चालक सडक़ किनारे ही अपने वाहन खड़े कर रहे है और घंटो तक दुकानों में खरीदी करते है। जिससे आने-जाने वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एमजी काम्प्लेक्स के पास रेहड़ी वाले भी अपने ठेले सडक़ पर ही लगाते है। वहीं दुकानों में आने वाले ग्राहक सडक़ पर वाहन खड़ा करते है। इस रोड पर नाली का निर्माण भी अजीब तरह से किया जा रहा है, जिन्होंने अतिक्रमण हटा लिया है, वहां से नाली अंदर घुसा दी जा रही है और जिन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया है वहां से सीधी ली जा रही है ऐसे में अतिक्रमण हटा लेने वालों का नुकसान हो रहा है और जिन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया है, उनका फायदा हो रहा है। घंटो तक वाहन खड़े होने से एक साइड की सडक़ पर जाम की स्थिति बनती है। इस सडक़ पर दुकानदारों का सामने लेकर आने वाले वाहन भी सडक़ पर ही सामान उतारते और चढ़ाते है। वाहन सडक़ पर खड़े रहने से स्थिति और बिगड़ जाती है। कुछ दिनों पूर्व यातायात पुलिस ने सडक़ किनारे खड़े वाहनों पर कार्रवाही की थी। जिसके बाद कुछ हद तक सुधार आया था, लेकिन अब फिर से वहीं स्थिति नजर आ रही है। जिसका खामियाजा आमजनों का परेशान होकर चुकाना पड़ रहा है।

इनका कहना है -

हमारे द्वारा समय-समय पर बस संचालकों को सख्त निर्देश दिए जाते हैं कि नियमानुसार ही जहां बस स्टाफ है, वही बस रोककर सवारी उतारे-चढ़ावे। बस चालको द्वारा नियमों की अवहेलना करने पर चालानी कार्रवाई की जाती है और आगे भी कार्रवाई करेंगे। हां यह जरूर है कि स्टाफ की कमी के चलते कईयो बार नियमों का पूर्णता पालन नहीं हो पाता।

– सुबेदार गजेन्द्र केन, यातायात प्रभारी, बैतूल

जगतगुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वतीजी के प्रदार्पण से पुलकित हुई मां ताप्ती की पावन धरा

- सूर्य यज्ञ में भाग लेंगे जगतगुरु, सोमवार को निकलेगी जनदर्शन यात्रा

बैतूल/मुलताई। द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य सदानन्द सरस्वती का मां ताप्ती की पावनधरा पवित्र नगरी मुलताई में प्रदार्पण हो गया है। नागपुर से सड़क मार्ग से जैसे ही जगद्गुरु के काफिले ने मुलताई नगर की सीमा में प्रवेश किया, तो श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक प्रवेश स्थल पर पहुंचकर उनका स्वागत कर दर्शन लाभ प्राप्त किया। जगतगुरु शंकराचार्य को मुलताई नगर के तिलक वार्ड में उपेंद्र पाठक के निवास पर ठहराया गया है, जहां उनके दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण करने वालों की लंबी कतारे लगी हुई है। जगद्गुरु शंकराचार्य सदानन्द सरस्वती राम मंदिर ट्रस्ट भूमि पर 12 जून से चल रहे सूर्य महायज्ञ एवं सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में भाग लेने यहां पहुंचे हैं। उनके नगर आगमन के साथ ही नागरिकों ने जगह-जगह उनका भव्य स्वागत कर पुष्प वर्षा की। ताप्ती उदगम उद्धार आयोजन समिति मुलताई से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जून को जगद्गुरु शंकराचार्य जनदर्शन देंगे। इस अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। सोमवार को जगतगुरु ताप्ती तट पहुंचेंगे, जहां वह ताप्ती मंदिर एवं ताप्ती के पवित्र कुंडों का भी भ्रमण करेंगे। उल्लेखनीय है कि सूर्य महायज्ञ एवं सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण 12 जुन से धर्माचार्य सोमेश परसाई के सानिध्य में चल रहा है। अब तक लगभग 40 हजार पार्थिव शिवलिंग निर्माण होने की खबर है। प्रतिदिन यज्ञशाला में विधिवत हवन पूजन एवं शिवलिंग निर्माण किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से हवन पूजन, ततपश्चात प्रतिदिन 10 से 12 बजे तक एवं 3 बजे से 5 बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं भजन संगीत प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक, महारुद्राभिषेक एवं दिव्य भस्म आरती प्रतिदिन 1 से 2-30 बजे तक भोजन प्रसादी होगी और शाम को भस्म आरती के बाद प्रसादी वितरण होगा।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में प्रिंसिपल बनीं डॉ. रितू बाजपेई

बैतूल। सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में अब प्राचार्या के रूप में लखनऊ निवासी डॉ रितू बाजपेई ने कार्यभार संभाल लिया है। शिक्षा के क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने ज्योतिष विषय में पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है, साथ ही गणित में एम.एससी, शिक्षा में एम.ए., कंप्यूटर एप्लीकेशन में पी.जी.डी.सी.ए, एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन में पी.जी.डी.ई.ए और बी.एड की डिग्रियां प्राप्त की हैं। डॉ रितू बाजपेई केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मास्टर ट्रेनर एवं रिसोर्स पर्सन रह चुकी हैं। इसके साथ ही वे हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर के रूप में भी काम कर चुकी हैं और एक प्रेरणादायक वक्ता के रूप में कई सेमिनारों व कार्यशालाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। डॉ बाजपेई की शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ उनका व्यवहारिक अनुभव भी सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा। डॉ रितू बाजपेई ने कार्यभार ग्रहण करते ही विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों से संवाद स्थापित किया और आने वाले समय में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करने की बात कही।

आमला-सारणी नया मार्ग चुनौतियां बेशुमार

- वन विभाग का आठ किलोमीटर का इलाका
- आसन नहीं होगी सहमति अब सब कुछ शासन पर निर्भर

बैतूल/आमला। आमला ठानी होते हुए सारणी तक नई सडक़ बनाने के लिए बीते कई वर्षों से इलाके के लोग मांग कर रहे हैं। बीते लगभग एक साल से आमला सारणी के नए मार्ग के लिए हजारों लोग एक साथ अपनी आवाज बुलंद भी कर रहे हैं। इसके लिए बीते कई महीनो से स्थानीय प्रशासन से लेकर जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री तक से भी आमला सारणी नए मार्ग के लिए लोग अपनी बात रख चुके हैं। लेकिन अब जैसा कि हमारे पास जानकारी आ रही है कि आमला व्हाया ठानी सारणी होते हुए जिस सडक़ के लिए लोग मांग कर रहे हैं, वो इतनी आसान भी नहीं है, जैसा कि हमें पी.डब्ल्यू.डी विभाग द्वारा बताया गया है कि आमला सारणी के लिए जो मार्ग बनाने के लिए इलाके के लोग मांग कर रहे हैं दरअसल वह मार्ग बनाना इतना आसान भी नहीं है उसमें चुनौतियां बेशुमार है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बताया गया है कि आमला सारणी वाया ठानी होते हुए जो मार्ग की मांग की जा रही है, वहां लगभग आठ किलोमीटर का पूरा इलाका पूरी तरह जंगल पहाड़ और वन्य प्राणियों के लिए आरक्षित है, ऐसे में यहां सडक़ के लिए यहां वन विभाग से अनुमति लेना सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। इसके अलावा यहां कोई पूर्व प्रचलित मार्ग भी नहीं है, साथ ही यहां कुछ जगहों पर सडक़ का काम करना जोखिम भरा हो सकता है,जैसा कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा हमें बताया गया है, इन सबके अलावा भी कुछ अन्य मामलों को लेकर भी विभाग यहां सडक़ बनाने को लेकर असमंजस में दिखाई पड़ता है। किंतु पी.डब्ल्यू.डी विभाग यहां लोगों की मांग को पूरी तरह नकार भी नहीं रहा है। यानी संभावनाएं काफी है, और एक बात तो बिल्कुल साफ है कि इस मार्ग के लिए पी.डब्ल्यू डी. और वन विभाग की भूमिका काफी अहम किरदार में दिखाई पड़ती है।

इलाके के सभी संगठन एक सुर में- आमला सारणी नए मार्ग की मांग इसलिए भी की जा रही है, ताकि आमला सारणी के बीच की दूरी बेहद कम हो जाए, और आमला सारणी के अलावा आसपास के दर्जनों ग्रामीण इलाके भी इस मार्ग के बनने से आर्थिक रूप से समृद्ध हो जाएंगे। बीते कई महीनो से इलाके के कई संगठन अपने-अपने स्तर पर आमला मार्ग के लिए अपनी आवाज उठा रहे हैं, आमला व्यापारी संघ अध्यक्ष संजय साहू, सलमान खान व्यापारी संघ बोडख़ी के गुणवंत चड्ढा भारत आदिवासी पार्टी के अनिल उईके पत्रकार संघ के राकेश शर्मा, अनिल सोनपुरे, दुर्गाप्रसाद जाऊंजारे जनसेवा कल्याण समिति के राहुल गेंडे, सागर चौहान के अलावा अन्य कई संगठनों के लोगों द्वारा आमला सारणी वाया ठानी मार्ग के बारे हमें बताया गया है कि अगर यह मार्ग स्वीकृत हो जाता है तो आमला सारणी और आसपास के कई ग्रामीण इलाके भी इस मार्ग के बनने से समृद्ध हो सकते हैं।

आधा दर्जन सड़क विहीन गांव भी होंगे लाभान्वित

दरअसल आमला सारणी मार्ग के लिए जो सैकड़ो लोग मांग कर रहे हैं, वह यूं ही नहीं है, बल्कि इस मार्ग के बन जाने से आमला सारणी से महज चंद फासले की दूरी पर बसे आधा दर्जन से ज्यादा गांव ऐसे हैं जहां कभी भी सडक़ पहुंच ही नहीं पाई है, ऐसे में इस मार्ग के बनने से ऐसे अछूते गांव विकास के नए मार्ग पर दौड़ सकेंगे।

अब सब कुछ शासन की इच्छा पर

इधर अभी तक हमारे सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से इस मामले में जो बात हुई है, उसके अनुसार इस पूरे मामले में अब गेंद शासन के पाले में दिखाई पड़ती है, भले ही आमला सारणी वाया ठानी मार्ग के लिए कई चुनौतियां हो, किंतु शासन अगर चाहे तो इन हजारों उम्मीदों को बल मिल सकता है।

इनका कहना है –

उपयंत्री द्वारा सर्वे कराया गया है उम्मीदें तो है कि आमला सारणी मार्ग के लिए सहमति बन सकती है फिर भी आप हमारे उपयंत्री से बात कर सकते हैं।

-प्रीति पटेल ई.पीडब्ल्यूडी विभाग बैतूल

मेरे द्वारा आमला सारणी नए मार्ग के लिए सर्वे किया गया है, यहां पर कुछ घाट और लगभग आठ किलोमीटर का इलाका वन विभाग का है जो मुश्किलें पैदा कर सकता है चुनौतियां जरूर है फिर भी शासन जैसा भी हमें निर्देश करेगी हमारे द्वारा प्रस्ताव बना कर भेज दिया जाएगा।

-सुखेंद्र लोधी, उपयंत्री, पीडब्ल्यूडी विभाग आमला

परमंडल जोड़ से कामथ तक मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ

क्या इस बार समय पर गुणवत्तापूर्ण निर्माण होगा..?

बैतूल/मुलताई। परमंडल जोड़ से मुलताई की ओर 1 किलोमीटर मार्ग के रिटेंडर की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। परमंडल जोड़ से ड्रीमलैंड सिटी तक 1 किलोमीटर रोड निर्माण पूर्व में नागपुर के ठेकेदार को दिया गया था, जिसकी लागत डेढ़ करोड़ रुपए थी। ठेकेदार को उक्त कार्य 4 माह में पूर्ण करना था, किंतु ठेकेदार 14 माह में भी कुछ नहीं कर पाया। समय पर कार्य न करने के कारण ठेका निरस्त कर ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड घोषित कर दिया गया है। जिसके बाद रिटेंडर में उक्त 1 किलोमीटर का ठेका कार्य महेंद्र मालवीय को दिया गया है। ड्रीमलैंड सिटी से कामथ तक शेष भाग रोड निर्माण का कार्य आरएसके कंपनी को मिला है। इस कार्य की लागत सवा करोड रुपए बताई जा रही है। ड्रीमलैंड सिटी से कामथ तक 1 किलो मीटर भाग में ठेकेदार को डामरीकरण, लाइनिंग,सोल्डर भराई एवं बोर्ड लगाने का कार्य पूर्ण करना है। जिसमें से डामरीकरण और मार्ग मे पट्टे डाल दिए गए हैं। सोल्डर भराई का कार्य जारी है, हालांकि सोल्डर भराई में उपयोग होने वाली मुरम को लेकर सवाल उठ रहे हैं, किंतु कार्य की प्रगति संतोष जनक है और माना जा रहा है कि बीते दो सप्ताह में परमंडल जोड़ से कामथ तक का कार्य पूर्ण हो जाएगा संपूर्ण मार्ग में चौड़ाई साढे 5 मीटर से 10 मीटर तक है।

महत्वपूर्ण मार्ग है, कामथ से बैतूल रोड हाईवे जोड़ मार्ग: पवित्र नगरी में नगर के मध्य से गुजरने वाला यह मार्ग नगर का प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग से नागपुर ,अमरावती, छिंदवाड़ा, बैतूल, आठनेर बोरदेही सभी ओर जाने वाले मार्ग जुड़ते हैं। यह मार्ग नगर का प्रमुख व्यापारिक मार्ग भी है किंतु इतना महत्वपूर्ण मार्ग होने के बावजूद जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन इसको लेकर गंभीर नहीं है। नागरिक लंबे समय से बैतूल हाईवे जोड़ से कामथ तक कम से कम 22 मीटर चौड़ा मार्ग बनाए जाने की मांग करते आ रहे हैं, क्योंकि मार्ग की चौड़ाई लगभग 80 फिट है। रोड नवनिर्माण के स्थान पर लोक निर्माण विभाग पीस वर्क में इसका सुधार कार्य करा रहा है। किंतु यह सुधार कार्य भी निर्धारित चौड़ाई में नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में जो कार्य चल रहा है नागरिकों की मांग है कि अधिकारी रोड निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान दें और इस बार कम से कम समय सीमा पर कार्य पूर्ण कराए।

इनका कहना है –

ड्रीमलैंड सिटी से कामथ तक शेष भाग का कार्य आर एस के कंपनी को दिया गया है। डामरीकरण का कार्य हो चुका है शोल्डर भराई बोर्ड लगाने का कार्य भी शीघ्र पूर्ण हो जाएगा।

डीआर कलमकर, उपयंत्री, लोक निर्माण विभाग मुलताई

सीएमएचओ डॉ. हुरमाडे ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बैतूल जिले के समस्त विकासखंडों के चिकित्सकों एवं अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि विकासखंड के समस्त मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, खंड विस्तार प्रशिक्षक, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइजर जब तक मिलकर साथ-साथ एक टीम के रूप में कार्य नहीं करेंगे विकासखंड के कार्य में प्रगति परिलक्षित नहीं होगी। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि खंड विस्तार प्रशिक्षक एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक अपने कार्यो की रिपोर्टिंग खंड चिकित्सा अधिकारी को करें। साथ ही मैदानी अमले के कार्यों की मॉनिटरिंग तथा भ्रमण करें। हम जनता के लिए कार्य करते हैं। हम उनके स्वास्थ्य के प्रति सीधे जवाब देह हैं, अत- किसी भी प्रकार की गैर जिम्मेदारी जनता के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है, जिसे मैं बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यक्रम अधिकारियों सहित कर्मचारियों के द्वारा किए गए कार्यो की प्रत्येक 15 दिन बाद विस्तृत समीक्षा की जाएगी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ. राजेश परिहार ने कहा कि 16 जून से 15 जुलाई तक आयुष्मान भारत निरामयम योजना 2.0 के अंतर्गत वय वंदना योजना के तहत 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित करें। धरती आबा योजना अंतर्गत ग्राम उत्कर्ष अभियान में पात्र शेष हितग्राहियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित करें। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के भी वरीयता से कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित करें।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रांजल उपाध्याय ने बताया कि टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत एएनसी रजिस्ट्रेशन की उपलब्धि बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की शत प्रतिशत उपलब्धि अर्जित किए जाने के लिए खंड चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य विकासखंड अधिकारी प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को टीकाकरण सत्रों का निरीक्षण सुनिश्चित करें।

100 दिवसीय टीबी अभियान के अंतर्गत शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग की जाए

जिला क्षय अधिकारी डॉ आनंद मालवीय ने कहा कि 100 दिवसीय टीबी अभियान के अंतर्गत शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग की जाए। उन्होंने अधिक से अधिक फूड बास्केट वितरित किए जाने के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध जनों, वरिष्ठ नागरिकों, समाजसेवियों एवं अधिकारियों का सहयोग लेने के लिए निर्देशित किया। सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ.अंकिता सिते ने कहा कि सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य में प्रगति लाई जाए, धरती आबा योजना अंतर्गत स्क्रीनिंग किया जाना सुनिश्चित करें। ग्रामों में भी सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य को गति दिया जाना सुनिश्चित करें। जिला मलेरिया अधिकारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को कम करने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रयास करें। आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए आमजन के मध्य मच्छरों से बचाव हेतु विभिन्न उपायों की जानकारी को प्रचारित करें बैठक में विभिन्न विकास खंडों के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी शहरी क्षेत्र चिकित्सा अधिकारी, आरबीएस के मैनेजर एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम अहमदपुर में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। विदिशा की ग्राम पंचायत अहमदपुर में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। प्रभारी हवलदार मोहन सिंह के नेतृत्व में एसडीईआरएफ टीम द्वारा बाढ से पूर्व तैयारी, आग की घटना में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव, राफ्ट बनाना, कंबल, चादर से स्ट्रेचर बनाना, सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, सांप के काटने पर त्वरित कार्यवाही और सावधानियां तथा ड्राई रेस्क्यू, वज्रपात के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में आमजनों को सचेत, मौसम मोबाइल ऐप की भी जानकारी दी गई व एप डाउनलोड करने की सलाह दी गई है।। कार्यक्रम के दौरान सरपंच, एईओ कृषि विभाग, शिक्षक, ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं आशा पंचायत सचिव, एमपीएस, सहायक सचिव कोटवार एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। इस दौरान शिविर में उपस्थित ग्रामीण जनों को बारिश के दौरान जलमग्न स्थानों व पुल-पुलियों को पार ना करने की शपथ भी दिलाई गई। बाढ़ के दौरान रपटे और पुलिया को बैरीकेट से कवर किया जाएगा ताकि कोई जनहानि ना होने पाए।

स्व सहायता समूहों को दिया गया अश्वगंधा की खेती का प्रशिक्षण

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार देवारण्य योजना एवं एक जिला एक औषधि योजना के तहत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को अश्वगंधा की खेती के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करना और स्थानीय वन समितियों को सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि अश्वगंधा एक प्राकृतिक रसायन औषधि है, जिसकी मांग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी से बढ़ रही है। इसके साथ ही स्व सहायता समूहों के सदस्यों को इस औषधीय पौधे की आर्थिक संभावनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान अश्वगंधा की बुवाई, देखभाल, सिंचाई कटाई एवं विपणन के बारे में विस्तार जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि देवारण्य योजना के अंतर्गत जिले में अश्वगंधा को एक जिला एक औषधि के रूप में चयनित किया गया है, जिसके तहत जिलेभर में अश्वगंधा की खेती को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है।

बहनों के लिए मददगार साबित हो रही लाड़ली बहना योजना

सीहोर (निप्र)। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सहायता के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार दो सौ पचास रूपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जा रही है। जिसे महिलाएं अपनी आवश्यकतानुसार खर्च कर रही है। सीहोर निवासी श्रीमती उमा राय भी लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित महिलाओं में से एक है। श्रीमती उमा बतातीं हैं कि लाड़ली बहना योजना से मुझे जो राशि मिली है, उसे मैं अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोग कर रही हूं। श्रीमती उमा कहतीं हैं कि अब मुझे अपने छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी से पैसे नही मांगने पड़ते। उन्होंनें बताया कि लाड़ली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि मेरे लिए बहुत ही मददगार साबित हो रही है। लाड़ली बहना योजना के लिए श्रीमती उमा राय ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

कलेक्टर श्री जैन ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव नागू, तहसीलदार हरदा श्री राजेन्द्र पंवार, इलेक्शन सुपरवाइजर श्री अप्पू कुट्टी, पीआईयू के कार्यपालन यंत्री, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य ने सेन समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

अध्ययन और अनुभव व्यक्ति का जिंदगी भर साथ नहीं छोड़ती : भुवन भूषण कमल

विदिशा (निप्र)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री भुवन भूषण कमल का आज विदिशा आगमन हुआ। वह विदिशा के रविंद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में सेन समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री भुवन भूषण कमल ने सेन समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है बच्चों को शिक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए और पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए, ताकि वह अच्छे अंकों के साथ सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा ग्रहण करना इसलिए भी आवश्यक है कि अध्ययन और अनुभव व्यक्ति का जीवन भर साथ नहीं छोड़ता इसलिए शिक्षा का ज्ञान अर्जित करना अति आवश्यक है। उन्होंने शासन की योजनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का बच्चों को लाभ मिलता है विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं जिनमें बच्चों को सुविधाएं दी जा रही हैं। सदस्य श्री भुवन भूषण कमल ने समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए संघर्षों का सामना करना पड़ता है। कई बार हमें असफलताओं के दौर से भी गुजरना पड़ता है लेकिन कड़ी मेहनत और परिश्रम के बलबूते पर एक दिन सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान उन्होंने बच्चों के अभिभावकों से भी कहा कि वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा तो दें साथ ही उनकी गतिविधियों पर भी ध्यान दें कि बच्चा किस क्षेत्र में जाना चाहता है बच्चे को कोई परेशानी तो नहीं है। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों व समाजजनों द्वारा मां सरस्वती जी एवं संत शिरोमणि सेन जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि रिटायर आईएएस श्री प्रकाश जांगरे ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभाओं का सम्मान है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत जरुरी है। लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है और कड़ी मेहनत के साथ-साथ अनुशासन का भी ध्यान रखना होता है। अनुशासन के साथ शैक्षणिक गतिविधियों अध्ययन पर ध्यान देने से सफलता मिलती है। उन्होंने प्रतिभा सम्मान समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अनुशासन और कड़ी मेहनत विषय पर विशेष फोकस करने का आव्हान किया।

छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

सदस्य श्री भुवन भूषण कमल सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में दसवीं और बारहवीं कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व शील्ड एवं पैन देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं व्यक्त की।

अहमदाबाद दुर्घटना पर मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी ने गुजरात राज्य के अहमदाबाद में विगत दिवस घटित विमान हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्ति की।

विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक और चित्रकला के माध्यम से दिया नशामुक्ति का संदेश

सीहोर (निप्र)। नशा मुक्त भारत अभियान एवं 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के तहत नशे एवं नशीली दवाओं के विरूद्ध जागरूकता के उद्देश्य से राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को संदेश देते हुए बताया कि नशा एक देश के विकास में प्रमुख बाधक तत्व है और हमें नशे से अपना और अपने समुदाया का बचाव करना चाहिए। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के चित्रों के माध्यम से आमजन को नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता एवं अभियान संबंधी अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस 26 जून के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत अभियान एवं 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के तहत 01 जून से 26 जून 2025 तक जिले में नशे के विरूद्ध अनेक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और इनसे बचाना है, बल्कि इस अभियान को नशे के खिलाफ एक जन आंदोलन का रूप देना है। ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें। अभियान के तहत जिले में 01 जून से 26 जून तक अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

दिव्यांग राजू को मिली ट्रायसिकल, गर्मी में आने जाने में अब नहीं होगी परेशानी

कलेक्टर श्री जैन ने अखबारों में छपी खबर के आधार पर की त्वरित कार्यवाही

हरदा (निप्र)। जिले के ग्राम कुहीग्वाड़ी निवासी दिव्यांग युवक राजू नाथ के पास ट्रायसाइकिल न होने से गर्मी के मौसम में उसे आने जाने में परेशानी हो रही थी। इस संबंध में गुरूवार को अखबारों में समाचार प्रकाशित हुआ। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने इस समाचार को संज्ञान में लेते हुए तुरन्त उप संचालक सामाजिक न्याय श्री कमलेश सिंह को दिव्यांग राजू को तत्काल ट्रायसाइकिल दिलाने के निर्देश दिये। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा गुरूवार को ही राजू को दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र बुलाकर उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और उसे ट्रायसाइकिल प्रदान की गई, जिससे राजू खुशी-खुशी अपने घर गया। इस अवसर पर राजू ने कहा कि बिना ट्रायसाइकिल के जमीन पर घिसटकर चलने में गर्म सड़क पर उसके हाथ जल जाते थे, अब उसे यह परेशानी नहीं होगी। उप संचालक सामाजिक न्याय श्री कमलेश सिंह ने बताया कि राजू को 3 वर्ष पूर्व ट्रायसाइकिल दी जा चुकी है जो कि पुरानी होने से टूट गई थी तथा जनवरी 2025 में जनपद द्वारा आयोजित शिविर में राजू को मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल दिलाने के लिये चिन्हित किया जा चुका है। जुलाई माह में एलिम्को संस्था जबलपुर द्वारा दिव्यांजनों को आवश्यक उपकरण वितरण के लिये शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें राजू एवं अन्य दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल एवं अन्य आवश्यक उपकरण वितरित किये जायेंगे।

विदिशा में रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

विदिशा (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से विदिशा में रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बचपन के कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, रेफरल प्रणाली को मजबूत करना और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना था। कार्यशाला में समस्त विकासखंड के खंड चिकित्सा अधिकारी, बी पी एम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, नेत्र रोग सहायक, आशा पर्यवेक्षक और अन्य प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान, विदिशा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेश तिवारी ने कहा कि बचपन के कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से हम बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लेकर अपने अपने क्षेत्रों में कार्य करें। एम्स भोपाल के डॉ. रेड्डी ने बताया कि बचपन के कैंसर के लक्षण सामान्य बीमारियों जैसे लग सकते हैं, लेकिन कुछ खास संकेत जैसे आंख की सफेद चमक (रेटिनोब्लास्टोमा), लगातार बुखार, वजन कम होना, लंबी खांसी, हाथ या पैर में सूजन और बार-बार ब्लीडिंग पर ध्यान देना आवश्यक है। समय पर पहचान और रेफरल से इलाज संभव है। कैनकिड्सकी मेडिकल सर्विसेज प्रमुख डॉ. नीलिमा ठाकुर ने बताया कि कैनकिड्स देशभर के 135 से अधिक कैंसर अस्पतालों में काम करता है और बच्चों व परिवारों को सामाजिक सहायता, शिक्षा, आवास, पोषण, यात्रा सुविधा व वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उनका उद्देश्य है हर बच्चे को समय पर इलाज, हर परिवार को सही मार्गदर्शन।

बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल ने बैतूल बाजार से एनएच- 69 तक 1.88 किमी लंबे बायपास मार्ग का किया लोकार्पण

बैतूल (निप्र)। बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित बैतूल बाजार से एनएच 69 तक बायपास मार्ग लंबाई 1.88 किमी स्वीकृत राशि 531.43 लाख का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल बाजार क्षेत्र में मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक हाट में भीषण भीड़ होती थी, जिससे गोंडीगोला, बारवड़ी, रवा, खेड़ी कोर्ट, मुलताई, बिसनूर, पारसडोह, धनोरा, आठनेर आदि ग्रामों से आने-जाने वाले लोगों एवं वाहनों को अत्यधिक परेशानी होती थी। इस मार्ग के निर्माण से अब वाहनों को बाजार के भीतरी क्षेत्र में प्रवेश किए बिना ही सीधे गंतव्य तक पहुंचने का मार्ग मिल गया है। इस मार्ग की चौडाई 5.50 मीटर में कुल डामरीकृत सड़क लंबाई 0.97 किमी, सीमेंट कांक्रीट सड़क लंबाई 0.92 किमी है। इस मार्ग पर 10 पुलिया एवं 2 पुलों का निर्माण भी विभाग द्वारा कराया गया है। कार्य पर राशि 390.67 लाख का व्यय किया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष नगरपरिषद बैतूल बाजार श्री सुधाकर पवार, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती दुर्गावती वर्मा, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री सुरेश गायकवाड एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं सीईओ ने खेत तालाबों, डगवेल रिचार्ज, फलोद्यान, देवबड़ला सहित विभिन्न स्थानों एवं जल संरक्षण गतिविधियों का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने सीहोर जनपद के ग्राम सतपिपलिया पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनाए गए डगवेल रिचार्ज, मनरेगा अंतर्गत निर्मित खेत तालाब, सामुदायिक निर्मल नीर कूप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम में स्थित शांतिधाम में पौधारोपण भी किया। उन्होंने जवर तहसील स्थित देवबड़ला एवं विभिन्न ग्रामों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनाए खेत तालाबों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों और ग्रामवासियों को जल का महत्व बताते हुए यह अपील की कि वे वर्षा के अधिक से अधिक जल का संरक्षण करें, ताकि धरती के अंदर ज्यादा से ज्यादा से वर्षा का जल पहुंचाया जा सके। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने ग्राम के किसान श्री सूरज सिंह द्वारा मनरेगा के तहत बनाए गए खेत तालाब के निरीक्षण दौरान किसान से चर्चा की और खेत तालाब का अवलोकन किया। उन्होंने खेत तालाब की सहायता से खेती में आई समृद्धि के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बनाए गए खेत तालाब की सराहना की और उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को खेत तालाब की योजना का लाभ दिलाया जाए, ताकि पर्याप्त जल मिलने से उनकी खेती में उन्नति हो सके। उन्होंने किसान श्री रूपसिंह द्वारा मनरेगा के तहत स्थापित किए गए फलोद्यान का भी निरीक्षण किया और किसान श्री रूपसिंह से फलों की खेती में उपयोग की जा रही तकनीकों एवं विधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसान श्री रूपसिंह ने कलेक्टर श्री बालागुरू के. को बताया कि वे अपने इस फलोद्यान में आम, अमरूद, पपीता, कटहल सहित विभिन्न फलों की खेती कर रहे हैं और अच्छा मुनाफा अर्जित कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने गड्ढा मुक्त अभियान तहत क्रियान्वित कार्यों की समीक्षा की

विदिशा (निप्र)। लोक निर्माण विभाग के मंत्री श्री राकेश सिंह के द्वारा प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के उद्देश्य से गड्ढा मुक्त अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने उक्त अभियान तहत विदिशा जिले में क्रियान्वित कार्यों की समीक्षा की है। उन्होंने वर्षा ऋतु व मानसून को दृष्टिगत रखते हुए जिले की सड़कों पर उभरे गड्ढों के मरम्मत कार्य तथा गड्ढा मुक्त सड़कों के निरीक्षण के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने गड्ढा मुक्त सड़कों के निरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत मार्गों पर अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गड्ढों का मरम्मत कार्य शेष रह गया है उन गड्ढों का मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया जाए ताकि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की कोई जनहानि ना होने पाए। उन्होंने कहा कि आवाजाही व यातायात में किसी भी प्रकार का व्यवधान या समस्या उत्पन्न ना हो का विशेष ध्यान रखें। बारिश का दौर प्रारंभ हो गया है इसलिए उन्होंने गड्ढों की मरम्मत कार्य उपरांत गड्ढा मुक्त सड़कों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। इस बैठक में गड्ढा मुक्त सड़कों का निरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत मार्गों पर अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई थी। इस दौरान सड़कों का भौतिक निरीक्षण एवं क्षति आंकलन की निरीक्षण रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। गड्ढा मुक्त अभियान अंतर्गत लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा में परफॉर्मेंस एवं संधारण अंतर्गत कुल 119 मार्गों का निरीक्षण किया गया है जिसमें 35 मार्गो में गड्ढे पाए गए जिनका सुधार कार्य 15 दिवस में किया जाना है इस कार्य के लिए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। समस्त अधिकारियों को सड़कों के दुरूस्तीकरण के लिए निर्देशित किया है साथ ही समस्त सड़कों के सत्यापन के लिए जिला पंचायत को निर्देशित किया गया है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर सहित पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, एमपीआरडीसी, पीएमजीएसवाय, आरईएस एवं नगर पालिका के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने की नगरीय निकायों में संचालित निर्माण कार्यों एवं वर्षा पूर्व तैयारियों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर जिले की नगरीय निकायों में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों तथा वर्षा ऋतु के पूर्व निकायों द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालगुरू के. बड़े नाले नालियों की साफ सफाई की समीक्षा करते हुए नगर पालिका अधिकारियों एवं उप यंत्रियों को निर्देश दिए कि जिन नाले एवं नालियों की सफाई नही हुई है, उसे 02 दिवसों में पूर्ण कराएं। ताकि वर्षाकाल के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वर्षाकाल से पहले ही उन सभी पुल-पुलिया को चिन्हित कर लिया जाए, जिन पर बारिश के दौरान पानी आ जाता है, ताकि सुरक्षा के उपाय किए जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि नगरीय निकायों द्वारा कुल 179 जर्जर भवनों को चिन्हित कर लिया गया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. निर्देश दिए कि जर्जर भवनों के मालिकों को नोटिस जारी किए जाएं और अधिक जर्जर हो चुके भवनों को गिराने की कार्यवाही शीघ्रता से की जाए, ताकि वर्षाकाल के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ आपदा से राहत एवं बचाव की तैयारियों जल्द से जल्द पूर्ण कर ली जाएं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के भवन निर्माण, अमृत 2.0 योजना के तहत जलप्रदाय कार्य, आंगनबाड़ियों के निर्माण कार्यों सहित सभी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना प्रथम चरण के तहत 359 आवासों के निर्माण कार्य जो अभी तक प्रारंभ नही हुए है उन्हें प्रारंभ कराया जाए और जल्द से जल्द पूर्ण भी कराया जाए।

कूनो नेशनल पार्क से भटककर मुरैना पहुंचे पांच चीते

जौरा में रोड क्रॉस करते नजर आए, ग्रुप में बाहर निकल रहे लोग

मुरैना (नप्र)। मुरैना जिले के जौरा इलाके में रविवार सुबह कूनो नेशनल पार्क से निकले पांच चीते पगारा बांध के पास नजर आए। चीतों को खुले में घूमता देख राहगीरों और ग्रामीणों में दहशत है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद टीम जौरा पहुंची है। सुबह सैर पर निकले राहगीरों ने जब अचानक चीतों को देखा तो कुछ लोग दहशत में जहां-तहां छिप गए, जबकि कुछ ने चीतों का वीडियो बनाया। चीते कूनो नेशनल पार्क से निकलकर पगारा बांध की ओर बढ़ते हुए दिखाई दिए। डिप्टी रेंजर विनोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि आज सुबह 6:45 बजे कैलारस से आए चीते जौरा के पगारा डैम की कोठी पर देखे गए। जौरा वन क्षेत्र के स्टाफ को लोकेशन मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। चीते पगारा डैम के पास कोठी की घाटी पर बैठे थे। दोपहर करीब 2 बजे वे खोखापुरा गांव में एक पहाड़ी के नीचे बैठे हैं। मौके पर चिता मित्र और गांव के लोग मौजूद हैं। डिप्टी रेंजर विनोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि चीतों ने पहाड़ी पर मौजूद ग्रामीण विशाल पिता बद्री की चार बकरियों का शिकार कर लिया।

चीता मित्र कर रहे निगरानी

वन विभाग की टीम ने इलाके को घेरकर निगरानी शुरू कर दी है। नरहेला बीट प्रभारी डिप्टी रेंजर विनोद उपाध्याय ने बताया कि ये चीते कूनो नेशनल पार्क श्योपुर से कैलारस होते हुए जौरा क्षेत्र में पहुंचे हैं। वर्तमान में सभी चीते पगारा डैम, कोठी और जोगी देवगढ़ गांव की घटिया के ऊपरी क्षेत्र में आराम कर रहे हैं।

उपाध्याय ने बताया कि चीतों के साथ चार चिता मित्र भी मौजूद हैं। चीतों के गले में ट्रैकिंग कॉलर लगे हैं, जिनसे उनकी लोकेशन की जानकारी मिलती रहती है। वन विभाग की टीम चीतों के साथ-साथ चल रही है और उनकी गतिविधियों पर नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि अब तक चीतों ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है।

चीतों के आने से इलाके में दहशत

विशेषज्ञों के अनुसार, चीतों का नेशनल पार्क से बाहर आना असामान्य नहीं है, लेकिन एक साथ पांच चीतों का बाहर निकलना चिंताजनक है। लोगों ने बताया कि इससे न केवल जनसुरक्षा बल्कि पार्क प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। जौरा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। लोग समूह में ही बाहर निकल रहे हैं और बच्चों को घरों में रखा जा रहा है। चीतों के वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है। विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने लोगों को खेतों में अकेले न जाने, बच्चों को बाहर खेलने से रोकने और चीतों की लोकेशन की जानकारी तत्काल वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को देने का निर्देश दिया है।

इंसानों पर हमला नहीं करते चीते

कूनो वनमंडला अधिकारी आर. थिरूकुरल ने बताया कि चीते जहां भी घूम रहे हैं, उनके साथ ट्रेकिंग टीम हमेशा रहती है और निगरानी करती है। वैसे चीते इंसानों पर हमला नहीं करते हैं। डिप्टी रेंजर विनोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि अब चीते वहां से उठकर देवगढ़ गांव के पास खोखा पुरा गांव की तरफ जा रहे हैं। चीता मित्र टीम और वन विभाग की टीम उनके पीछे-पीछे जा रही हैं।

भोपाल डर्ट रेस में 100 से ज्यादा बाइकर्स की टक्कर

- थ्रोटल एरिना में 'रफ रोड रिबेल्स' इवेंट, महिला राइडर्स ने भी लिया हिस्सा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में इन दिनों बाइक रेसिंग का जोश छाया हुआ है। 'रफ रोड रिबेल्स- भोपाल डर्ट चैलेंज' नाम से मोटरसाइकिल डर्ट रेस का आयोजन बैरसिया रोड स्थित थ्रोटल एरिना में किया जा रहा है। शनिवार को राइडर्स ने प्रैक्टिस राउंड पूरे किए और अब रविवार 15 जून से असली रेसिंग मुकाबले शुरू हो गए हैं। सुबह से ही ट्रैक पर तेज आवाज़ और उड़ती धूल ने माहौल को और जोशीला बना दिया। इस इवेंट में करीब 100 से ज्यादा राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें युवा, अनुभवी और महिला राइडर्स शामिल हैं। सभी को उनकी स्किल के हिसाब से अलग-अलग कैटेगरी में रेस करने का मौका दिया गया है।

राइडर्स बोले- ट्रैक काफी चैलेंजिंग

बाइक राइडर सैयद अकबर अली ने कहा, भोपाल के लिए यह आयोजन इसलिए फायदेमंद है क्योंकि यहां से राइडर्स नेशनल स्तर की तैयारी भी कर सकेंगे। यह एक पूरा ट्रैक है, जहां राइडर्स सुरक्षित तरीके से अपनी स्पीडिंग कर सकते हैं। रोड रेसिंग से बेहतर है कि अपनी क्षमता यहां ट्रैक पर दिखाई जाए। पहली बार इस इंवेंट में हिस्सा ले रही भोपाल की बाइक राइडर जारा ने कहा- पहली इस बार हिस्सा लिया। बाकी तो मजा बहुत आया, बहुत अच्छा अनुभव रहा। ट्रैक काफी चैलेंजिंग बना है।

एयर इंडिया को यात्री को देने होंगे 49 हजार रुपए

- फ्लाइट कैंसिल होने पर नहीं दिया रिफंड, 5 साल बाद अब ब्याज सहित लौटाने होंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रहने वाले युवक की शिकायत पर उपभोक्ता फोरम ने एयर इंडिया को सेवा में लापरवाही का दोषी पाया है। देश की प्रमुख एयरलाइन मानी जाने वाली एयर इंडिया को अब टिकट की राशि लौटाने के साथ-साथ मानसिक परेशानी और वाद खर्च के लिए जुर्माना भी देना होगा। फैसला भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की बेंच-2 (अध्यक्ष गिरिबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल) ने सुनाया। फोरम ने एयर इंडिया को 22,908 की टिकट राशि, 7 प्रतिशत सालाना ब्याज, 10,000 मानसिक क्षतिपूर्ति और रू. 5,000 वाद व्यय अदा करने का आदेश दिया है। यदि दो महीने में भुगतान नहीं किया गया तो एयर इंडिया को 9 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देना होगा।

दो टिकट बुक किए, दोनों रद्द हुई, लेकिन रिफंड नहीं मिला

परिवादी डॉ. रागित पी. राजेश, जो एयरफोर्स में पदस्थ हैं, के पिता राजेश पिल्लई ने बताया कि उन्होंने 28 सितंबर 2020 को एयर इंडिया से 18 अक्टूबर की तारीख के लिए पोर्ट ब्लेयर से कोलकाता और फिर कोलकाता से दिल्ली की यात्रा हेतु टिकट बुक किया था, जिसकी कीमत 12,181 रुपए थी। इसके बाद, 23 अक्टूबर को उन्होंने एक और टिकट मुंबई से पोर्ट ब्लेयर वाया चेन्नई के लिए 17 नवंबर की तारीख की बुकिंग की, जिसकी राशि 10,727 रुपए थी। दोनों टिकटों की कुल राशि 22,908 रुपए थी, जिसे समय पर भुगतान किया गया। पिल्लई ने बताया कि बाद में जब फ्लाइट रद्द कर दी गई, तो एयर इंडिया ने रिफंड नहीं किया। उल्टा एक फर्जी रिफंड लेटर भेजकर मामले को टालने की कोशिश की गई।

महाकाल मंदिर में बदली गई दर्शन व्यवस्था

अब सिर्फ मोस्ट वीआईपी को मिलेगी नंदी हॉल में एंट्री, आम श्रद्धालु बेरिकेट्स से करेंगे दर्शन

उज्जैन (नप्र)। ग्रीष्म अवकाश और शनिवार-रविवार की छुट्टियों के चलते महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इसे देखते हुए मंदिर प्रशासन ने रविवार को नंदी हॉल में आम भक्तों का प्रवेश बंद कर दिया। अब सिर्फ मोस्ट वीआईपी को ही नंदी हॉल में दर्शन की अनुमति दी जा रही है, जबकि सामान्य श्रद्धालुओं को गणेश मंडपम के सामने से दर्शन कराए जा रहे हैं।

चलायमान व्यवस्था से हो रहे दर्शन: भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर प्रशासन ने चलायमान (मूविंग दर्शन) व्यवस्था लागू की है। अब भक्त महाकाल लोक, मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर से होकर महाकाल टनल-1 से गुजरते हुए गणेश मंडपम तक पहुंचते हैं। यहां लगाए गए बेरिकेड्स के जरिए भगवान महाकाल के दर्शन कर, फिर पालकी हॉल होते हुए एम्बुलेंस गेट से बाहर निकल जाते हैं। गेट नंबर 1 से प्रवेश करने वाले श्रद्धालु कार्तिकेय मंडपम के रास्ते गणेश मंडपम पहुंचते हैं और बेरिकेड्स से दर्शन करते हैं। गेट नंबर 4 से आने वाले श्रद्धालु विश्राम धाम से होते हुए सभा मंडप और फिर गणेश मंडपम पहुंचकर दर्शन करते हैं। इसके बाद पालकी हॉल से होते हुए बाहर निकल जाते हैं। मंदिर प्रशासन ने रविवार को नंदी हॉल में आम भक्तों का प्रवेश बंद कर दिया।

नंदी हॉल में भीड़ न बढ़े इसलिए लिया फैसला: नंदी हॉल में दर्शन व्यवस्था फिलहाल बंद कर दी गई है। यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि शनिवार-रविवार को शासकीय अवकाश के कारण देशभर से हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। वहीं मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के कारण भी जगह की सीमित उपलब्धता है।

इस प्रकार है दर्शन व्यवस्था

1. **प्रोटोकॉल व्यवस्था (मोस्ट वीआईपी):** मोस्ट वीआईपी श्रद्धालु शंख द्वार से प्रवेश करते हैं और शिखर दर्शन की छत, कुंड होते हुए गणेश मंडपम की पहली पंक्ति से दर्शन करते हैं। दर्शन के बाद वही रास्ता वापसी में भी रहता है। इन्हें ही नंदी हॉल में प्रवेश की अनुमति है।
2. **सामान्य दर्शनार्थी:** ये श्रद्धालु श्री महाकाल महालोक या मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर से महाकाल टनल-1 से होकर गणेश मंडपम पहुंचते हैं। वहां से बेरिकेड्स के रास्ते भगवान महाकाल के दर्शन कर पालकी हॉल होते हुए एम्बुलेंस गेट से बाहर निकलते हैं।
3. **शीघ्र दर्शन टिकटधारी (250 टिकट):** गेट नंबर 1 से प्रवेश करने वाले श्रद्धालु कार्तिकेय मंडपम के रास्ते गणेश मंडपम पहुंचते हैं और बेरिकेड्स से दर्शन करते हैं। गेट नंबर 4 से आने वाले श्रद्धालु विश्राम धाम से होते हुए सभा मंडप और फिर गणेश मंडपम पहुंचकर दर्शन करते हैं। इसके बाद पालकी हॉल से होते हुए बाहर निकल जाते हैं।

सीवर चेंबर में गिरी 15 साल की बच्ची की मौत

शिवपुरी में 4 घंटे बाद शव निकाला ; खेलते-खेलते ढक्कन पर पैर पड़ने से गिरी थी

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित संतुष्टि अपार्टमेंट में शनिवार रात 15 साल की बच्ची की सीवर चेंबर में गिरने से मौत हो गई। कारोबारी देवेंद्र भदौरिया की 15 वर्षीय बेटी उत्सविका रात करीब 8 बजे सोसाइटी के बच्चों के साथ खेल रही थी। इसी दौरान सीवर चेंबर के टूटे हुए ढक्कन पर उसका पैर पड़ा और वह उसमें गिर गई। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय उत्सविका का छोटा भाई भी उसके पीछे था। वह भी गिरने वाला था, लेकिन एक व्यक्ति ने समय रहते उसे पकड़ लिया। पुलिस और नगर पालिका को सूचना दी। करीब चार घंटे चले एसडीईआरएफ के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद रात 12 बजकर 40 मिनट पर बच्ची का शव चेंबर से निकाला गया।

उत्सविका भदौरिया

15 फीट गहरा है सीवर टैंक, ढक्कन जर्जर: जानकारी के अनुसार, अपार्टमेंट में दो से तीन डुप्लेक्स के बीच करीब 15-15 फीट गहरे सीवर चेंबर बने हैं। इन पर लगे ढक्कन पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं, जिससे चेंबर का हिस्सा खुला है। कॉलोनी के बच्चे रोज यहीं खेलते हैं। शनिवार शाम भी बच्चे खेल रहे थे, तभी उत्सविका का पैर ढक्कन पर पड़ा और वह सीधे नीचे गिर गई।

बच्ची की चप्पल पानी में उतराती दिखी: उत्सविका के सीवर चेंबर में गिरने के बाद बच्चों ने आसपास के लोगों को बताया। लोगों ने सीवर में झांककर देखा तो उसकी चप्पल नजर आई, लेकिन बच्ची नहीं दिखी। तत्काल सोसाइटी कमेटी और फिर पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। बच्ची के रेस्क्यू के लिए SDRF की टीम को बुलाया गया। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।सोसाइटी कमेटी की लापरवाही पर सवाल परिजन और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हादसा संतुष्टि अपार्टमेंट सोसाइटी कमेटी की लापरवाही का नतीजा है।

गुरुग्राम में दंपती की मौत

बेसमेंट की दीवार गिरने से हादसा, मलबे के नीचे दबे, मप्र के रहने वाले

सोहना (नप्र)। गुरुग्राम में आज एक निर्माणाधीन सोसाइटी में बेसमेंट की दीवार गिरने से दंपती की मौत हो गई। हादसा सोहना के नंगली गांव में हुआ। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के गांव समोगर निवासी प्रशांत (33) और उनकी पत्नी चांदनी (26) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रशांत व उसकी पत्नी चांदनी कुछ दिनों से नंगली गांव के पास बन रही एक सोसाइटी में मजदूरी का काम कर रहे थे। जहां पर सोसाइटी में बेसमेंट बनाने का काम चल रहा था। रविवार को जब दोपहर के समय दोनों काम कर रहे थे। इसी दौरान बेसमेंट की दीवार भर भरा कर मजदूरों पर गिर गई। वे दीवार के मलबे के नीचे दोनों मजदूर दब गए। आसपास काम करने वाले मजदूरों ने उन्हें उसे मलबे से बाहर निकाल, जिसमें चांदनी की मौके पर ही मौत हो गई उसके पति को सोहना के नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां से उसे रेफर कर दिया गया। रास्ते में उसकी चोट के कारण मौत हो गई। थाना प्रभारी प्रवीण मलिक ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल रखवा दिया गया है। वहीं पुलिस परिजनों का आने का इंतजार कर रही है। उनके आने के बाद पोस्टमॉर्ट्म कराया जाएगा वह आगामी कार्रवाई की जाएगी।

वन अमले पर पथराव, जान बचाकर भागी टीम

श्योपुर में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर आदिवासियों का हमला ; डिप्टी रेंजर समेत 4 घायल

श्योपुर (नप्र)। श्योपुर में वनभूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम पर आदिवासियों ने पथराव कर दिया। जेसीबी समेत कई सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ भी की। हमले में चार वनकर्मी घायल हो गए। टीम को जान बचाकर वहां से भागना पड़ा। घटना शनिवार दोपहर को मोरका गांव की है। हमले में डिप्टी रेंजर गणपत आदिवासी के अलावा तीन वनकर्मी मनोज कुमार आदिवासी, वीतेंद्र सिंह राजपूत और धीरज सक्सेना को चोट लगी है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। रेंजर पवन कुमार शर्मा की रिपोर्ट पर डुम्मा आदिवासी, गुरुदयाल आदिवासी, पवन और रामविलास के साथ ही 30-40 अज्ञात के खिलाफ रघुनाथपुर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

500 बीघा वनभूमि पर अवैध कब्जा: दरअसल, टर्रा-ओछापुरा रोड स्थित वन क्षेत्र में करीब 500 बीघा

वनभूमि की जमीन पर अवैध कब्जा था। इसे ही हटाने वन विभाग की टीम पहुंची थी। वहां पहले से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। टीम के पहुंचते ही महिलाओं ने विरोध शुरू कर दिया। विरोध के दौरान ग्रामीणों ने एक झोपड़ी में आग लगा दी। हालांकि वन विभाग का कहना है कि कार्रवाई रुकवाने के लिए ग्रामीणों ने जानबूझकर झोपड़ी में आग लगाई। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि आग प्रशासनिक टीम ने लगाई, जिसमें उनका घरेलू सामान था। डीएफओ सामान्य वनमंडल श्योपुर केएस रंधा ने कहा कि सामान्य वनमंडल कि जमीन पर अतिक्रमण हटाने गए थे।

युवा कांग्रेस में चुनाव के लिए वोटिंग 20 जून से

19 जुलाई तक होगी वोटिंग, मेंबर बनने के बाद एक वोटर डाल सकेगा छह वोट

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के लिए सदस्यता लेने और मतदान की तारीख तय हो गई है। प्रदेश में 20 जून की सुबह 9 बजे से मतदान और सदस्यता प्रक्रिया शुरू होगी जो 19 जुलाई की शाम तक चलेगी। इसमें वोटिंग के लिए जो फॉर्मूला तय किया गया है उसके मुताबिक 50 रुपए की सदस्यता फीस जमा कर सदस्य बनने के बाद यूथ कांग्रेस के छह पदों के लिए वोटिंग की जा सकती है। युवा कांग्रेस के जिन पदों के लिए वोटिंग की जाएगी उसमें ब्लाक अध्यक्ष, एसेंबली प्रेसिडेंट, जिला अध्यक्ष व जिला महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महासचिव के पद शामिल हैं। एक सदस्य छह वोट डालेगा और इसके बाद होने वाली मतगणना के आधार पर परिणाम सामने आएंगे। युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं वहीं प्रदेश महासचिव पद के लिए 178 प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। चुनाव कार्य से संबद्ध पदाधिकारियों के अनुसार सदस्यता फीस 20 जून से 21 जुलाई को शाम पांच बजे तक स्वीकार की जाएगी। चुनाव के लिए मतदान 20 जून की सुबह 9 बजे से शुरू हो जाएगा तो 19 जुलाई को शाम पांच बजे तक रहेगा। इसके पहले एमपी में युवा कांग्रेस के चुनावों के लिए नामांकनों की स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी हो गई है। 18 उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकृत किए गए हैं। राजीव सिंह का नामांकन होल्ड किया गया है, जबकि डॉ दौलत पटेल का नामांकन रिजेक्ट हुआ है।

प्रदेश महासचिव के लिए सबसे ज्यादा घमासान: युवा कांग्रेस के चुनाव में प्रदेश महासचिव के लिए घमासान मचा हुआ है। कुल 182 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। 178 नॉमिनेशन एक्सेप्ट किए गए हैं।

युकां प्रदेश अध्यक्ष के 18 उम्मीदवार

योगिता सिंह, जावेद पटेल, अभिषेक परमार, नीरज पटेल, गीता कड़वे, प्रमोद सिंह, विश्वजीत सिंह चौहान, विनय पांडेय, राजवीर कुडिया, प्रियेश चौकड़े, अब्दुल करीम सिद्दीकी, शुभांगना राजे जामनिया, आशीष चौबे, यश घनघोरिया, देवेन्द्र सिंह दादू, स्वीटी पाटिल, शिवराज यादव, मोनिका मांडरे।

प्रदेश महासचिव के उम्मीदवार

किशोर सोलंकी, ऋतिक नाथ चौहान, राहुल हितेश ठाकुर राज नेमा, शुभम दुबे, अक्षय जायसवाल, सत्यम सिंह गुर्जर, अली शान मोहम्मद, इरफान खान,जयंत जोशी, आदित्य मिश्रा, गौरव विनोद दीक्षित, सुमन मौर्य, धीरज सिंह परिहार, अभिषेक पांडे, दिगंबर पारधी, अखंड प्रताप सिंह चौहान, अभिषेक जाट, आशुतोष सिंह, विनोद नाथ, प्रीतेश पटेल, सुनील कुमार जायसवाल, पंकज सिंह, शिवदीप रघुवंशी, आसिफ मोहम्मद, मानवेंद्र सिंह गुर्जर, यशवीर सिंह गोयल, धनजी गिरी, आशुतोष आर्य, राहुल राजपूत, अमन सिद्दीकी, जितेंद्र लोधी, मोहम्मद अली हुसैन, हेमंत कुमार मेहता, दीपक ठाकुर, रितेश रोहित, देवांशु सिंह परिहार, रोहित राजोरिया, शिव शंकर पोगरा, सांवरिया पटेल, अर्जुन गुर्जर, भागीरथ खतवासे, सुरेखा शाह, शहरयार, शेखर शर्मा, सद्दाम पटेल, अमित कुमार सोहेल पटेल, अनुज पटेल, योगेश एरोलू, मोहम्मद इरफान मनोज पाटीदार, लोकेश दीक्षित, सोपान कोहली, मोहम्मद यावर चौधरी,प्रांजल तिवारी, सागर मोतियानी, मोहम्मद जैद, अनिकेत द्विवेदी, शिवम सिंह परिहार, विजय सिंह बिष्ट, गौरी पारुलेकर प्राची पारधी, यश संजय दवे, धनंजय मिश्रा,राहुल डी, गीता मेहता, नमन दुबे, भूमन्यु सिंह, शुभम चौहान, जितेंद्र सिंह, अपूर्व जैन, सुष्मिता सिंह, सिद्धांत तिवारी, कुणाल सोलंकी, प्रतीक जैन, ऋषभ मिश्रा, मुस्तकीम कुरैशी,नरेंद्र यादव, कृष्णा पंडित, प्रमोद पटेल, ज्योति सनेरिया, दिव्यांशु मिश्रा, मेहताब मावई गुर्जर, शुभम बागरी, विकास चौधरी, कुणाल गजभिए, शिवम पांडे, नितेश आर्य, रवि मुकाती, जितेंद्र इवने, हर्षल आंजना, लोकेंद्र शर्मा, सौम्या राज परते, श्रद्धा सिंह, सोहेब कुरैशी, पवन भिलाला, राहुल वामनिया, अर्जुन नरवाले, रवि दुधानिया, विक्की भदोरिया, दीपेंद्र सोलंकी, प्रिंस नवांगे, मोहम्मद शाहबाज खान, बलवान कुशवाहा, जगदीश सूर्यवंशी, रोहित राजोरिया, विपिन सिंह चौहान, सलमान गौरी, श्रेया यादव, अब्दुल आमिर, सागर शुक्ला, जुनैद अली, पायल जैन, आशुतोष चौधरी, शालू पुरोहित, हाजी मुजाहिद अली, अंकित दुबे, स्मिता तोमर, गंगा पट्टा, राजमल, पंकज कुमार सिंह, मोहित सक्सेना, अंकित यादव, सिद्धार्थ रैकवार, खुशी गुर्जर, निखिल चौकसे, राधा मालवीय, उदित देव परमार, अभिषेक पटेल, आदित्य शर्मा, अतुल मिश्रा, अक्षय दुबे, सक्षम गुलाटी, दीपक तिवारी, प्रवीण चौधरी, संजय पटेल, रेणुका गांधी, मोहम्मद आतीक खान, अर्पित तिवारी, चेतन चौधरी, दर्शन कोरी, लुकमान कुरेशी, रोहित वंशकार, अतीक मंसूरी, विक्रम सिंह, शेख सलमान, विनोद पाटीदार, संदीप अग्रहरि, अदनान अंसारी, अभिषेक शुक्ला, अभिजीत तोमर, गौरव परमार, रजा कादरी, विजय यादव, युवराज सिंह सूरमा, मंजू गुर्जर, शांभवी शुक्ला, अभय सोलंकी, बृजपाल राजावत, गौरीशंकर गुर्जर, वीरेश जादौन, प्रियंका केसरवानी, तारिक खान, अमनदीप सिंह, किशन गुर्जर, जितेंद्र पाटीदार, उबेद अल्लाह, विपुल दीक्षित, निर्देश सोनगरा, प्रशांत सांवले, मौज कामिल, हेमंत कुमार शर्मा, रवि सोनी, हरि कृष्ण शर्मा, नरेंद्र सिंह दांगी, अनुराग रघु, इम्तियाज़ खान।